सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 01, अंक 341, नई दिल्ली । सोमवार, 19 फरवरी 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

हमेशा चुनौतियों को स्वीकार करना चाहिए इससे सफलता मिलेगी या तो शिक्षा।

03 सोरेन की पत्नी और केजरीवाल के बीच फोन पर हुई बातचीत

06 नरेंद्र मोदी की राज 'नीति' और कूटनीति हमेशा जीत...

08 पीएम मोदी के आह्वान पर भीलवाड़ा जिले में बनाएंगे 100 दिन का ग्रासरूट प्लान - मेवाड़ा

क्या दिल्ली के बढ़ते प्रदूषण की चिन्ता सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, दिल्ली परिवहन विभाग और माननीय सर्वोच्च न्यायालय की नजर में कोई महत्व नहीं, बड़ा सवाल ?

संजय बाटला

नई दिल्ली। दिल्ली की जनता को हमे सूचित करते हुए बड़ा संकोच हो रहा था पर सूचित करना हमारा पहला दायित्व है इसलिए बताना आवश्यक है। दिल्ली को एक भी अपना अधिकृत वाहन स्क्रैप डीलर नही मिल पाया था क्योंकि वाहन को स्क्रैप किए जाने का प्लांट जिस स्थान पर लगाया जाने का नियम है वैसा कोई क्षेत्र दिल्ली में उपलब्ध नही है जिस कारण प्रदुषण नियंत्रण विभाग की तरफ़ से नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट जारी नही किया जाता हैं पर दिल्ली में प्रदुषण नियंत्रण के लिए जो नियम और सख्त होने की जरुरत थी उसकी जगह सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा ड्राफ्ट गैजेट नोटिफिकेशन जारी कर उसमे सख्त नियम बनाने की जगह दिल्ली में कारोबारियों के पक्ष में ऐसा नियम में बदलाव करने की घोषणा कर दी जिससे दिल्ली में प्रदुषण की मात्रा बड़ेगी ना की घटेगी और इसका विरोध करने की जगह दिल्ली परिवहन विभाग के इस शाखा को समर्पित आला अधिकारी इस गैजेट नोटिफिकेशन के जल्द जारी होने की प्रतिक्षा कर रहे हैं।

क्या आप जानते हैं दिल्ली में प्रदुषण मानक बढ़ने से सरकारी खजाने में कितना इजाफा होता है और जनता पर जुर्माना ? और अगर वाहन स्क्रैप डीलर के अधिकृत होने के लिए इस नियम में बदलाव कर दिया गया तो दिल्ली की जनता पर क्या बीतेगा उसका विचार करना भी मुश्किल है।

भारत के इस राज्य में छोटे कार मालिकों को आजीवन रोड टैक्स पर राहत

पश्चिम बंगाल विधानसभा में शनिवार को पेश किए गए पश्चिम बंगाल मोटर वाहन कर (संशोधन) विधेयक 2024 में सरकार ने छोटी कारों पर लाइफटाइम रोड टैक्स की कम दर देकर वाहन मालिकों को बड़ी राहत दी है।

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा में शनिवार को पेश किए गए पश्चिम बंगाल मोटर वाहन कर (संशोधन) विधेयक 2024 में सरकार ने छोटी कारों पर लाइफटाइम रोड टैक्स की कम दर देकर वाहन मालिकों को बड़ी राहत दी है। इसी तरह, पश्चिम बंगाल अतिरिक्त टैक्स और मोटर वाहनों पर एकमुश्त टैक्स के एक अन्य संशोधन के जरिए, 6,000 किलो से कम वजन वाले तिपहिया वाहनों और हल्के मालवाहनों को अग्रिम टैक्स भुगतान पर भारी छूट की पेशकश की गई है। बंगाल में जहां पहली बार पंजीकरण के समय लाइफटाइम टैक्स का भुगतान नहीं किया जाता है, वहां निजी मोटर कारों और ओमनीबसों (14 सीटों तक और परिवहन वाहनों के रूप में पंजीकृत नहीं) पर लाइफटाइम टैक्स को वाहन की क्यूबिक क्षमता (सीसी) के आधार पर स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है। उदाहरण के लिए, लाइफटाइम टैक्स वाहन के मूल्य का 7.5 प्रतिशत होगा, जो कि पांच साल के 5.5 प्रतिशत के एकमुश्त टैक्स की तुलना में फायदेमंद है। परिवहन मंत्री स्नेहाशी चक्रवर्ती ने कहा, ₹यदि कोई कार मालिक 10 साल तक भी वाहन रखता है तो उसे 11 प्रतिशत टैक्स का भुगतान करना पड़ता है।

ई-रिक्शा वहीं चला सकेगा जिसके नाम होगा रजिस्ट्रेशन

परिवहन विशेष न्यूज

जयपुर। जयपुर मे पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसेफ और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त यातायात एवं प्रशासन प्रीति चंद्रा के निर्देशन और डीसीपी लक्ष्मण दास के नेतृत्व में शनिवार 17 फरवरी को पुलिस आयुक्त कार्यालय में ई-रिक्शा संचालकों और अन्य वाहन यूनियनों के पदाधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में ई-रिक्शा व अन्य वाहन चालकों को जागरूकता को लेकर दिशा-निर्देश जारी किये गये। आने वाले सप्ताह से यातायात पुलिस एवं ई-रिक्शा एवं अन्य वाहन संघ के संयुक्त तत्वावधान में सुरक्षित ड्राइविंग को लेकर जागरूकता अभियान चलाया जायेगा।

ई-रिक्शा को लेकर नई गाइडलाइंस जारी की गई हैं। सभी ई-रिक्शा चालकों को ई-रिक्शा चलाते समय अपना पहचान पत्र रखना अनिवार्य है। ई-रिक्शा के लिए चालक के नाम पर पंजीकृत होना अनिवार्य है। सभी ई-रिक्शा चालकों के पास वाहन के अनुसार लाइसेंस होना आवश्यक है। ई-रिक्शा यूनियन के पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया कि ई-रिक्शा चालान के संबंध में समय-समय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करें और उसके बाद आरटीओ से ही चालकों का लाइसेंस प्राप्त करें। यदि 18 वर्ष से कम उम्र का कोई व्यक्ति वाहन चलाता पाया गया तो वाहन स्वामी के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। सड़क के बायीं ओर यात्रियों को चढ़ाएगा और छोड़ेगा। सभी प्रकार के धीमी गति के वाहन सड़क के बाईं ओर एक लेन में चलेंगे।

पियाजियो इलैक्ट्रिक ऑटो से चालकों ने की तौबा

इलैक्ट्रिक ऑटो चालकों का आरोप है कि खून पसीने की गाडी कमाई से खरीदे गए पियाजियो कंपनी के एपीइ ई-सिटी इलैक्ट्रिक ऑटो अपनी गारंटी पीरियड में ही दम तोडने लगे है।

परिवहन विशेष न्यूज

एसडी सेठी, नईदिल्ली। प्रदूषण से मुक्ति के नाम पर इलैक्ट्रिक ऑटो दिल्ली के ऑटोचालकों के गले की फांस बन गई है। इलैक्ट्रिक ऑटो चालकों का आरोप है कि खून पसीने की गाडी कमाई से खरीदे गए पियाजियो कंपनी के एपीइ ई-सिटी इलैक्ट्रिक ऑटो अपनी गारंटी पीरियड में ही दम तोडने लगे है।इस बावत 'दिल्ली इलैक्ट्रिक ऑटो चालक संघ के प्रधान अंकित शर्मा ने इलैक्ट्रिक ऑटो निर्माता कंपनी पियाजियो मॉडल एपीइ-इ-सिटी पर आरोप लगाते हुए बताया कि पियाजियो कंपनी के ऑटो अपनी एक साल की गांरटी अवधि तक पूरी नहीं कर पाए कि ऑटो की बैट्री, चार्जर, से लेकर स्टारटिंग समेत मीटर तक में पेश आ रही परेशानियों से चालकों में जबरदस्त रोष है।

इलैक्ट्रिक ऑटो यूनियन के उप प्रधान अवतार सिंह ने बताया कि सुबह चलने से पहले ऑटो को स्टार्ट करने के लिए पहले आग से गर्म करना पडता है। ऑटो को गर्माने में ही करीब 2-3 तीन घंटे का वक्त लग जाता है।

इसमें ही आधा दिन यानी पीक ऑवर निकल जाता है। और इससे धंधा चौपट की नौबत आ गई है। दोपहर 1 बजे से सडको पर आने के बाद सवारी बा- मुश्किल ही मिल पाती है।ये हालत है कि ऑटो की 3 लाख कीमत की किश्ते चुकाने के लिए उधारी करनी पडती है। यूनियन के प्रधान अंकित ने ऑटो में लगाई गई बैट्री समेत चार्जर में आ रही खराबी पर खासी नाराजगी जताते हुए बताया कि कंपनी ने चार्जर की गारंटी साल भर की दी है। पर साल होने से पहले ही खराब हो रहे हैं। इसकी कंप्लेंट के लिए पियाजियो कंपनी के सर्विस सेंटर पर ले जाने पर वहां के स्टाफ बेहद बेरूखी से बर्ताव करते हैं। इसका अलग से पैसा वसूलते है।वहीं चार्जर को ठीक करने में 5 से 6 दिन तक लगा देते है। इससे 6 दिन तक ऑटो बिना चले घर पर मजबूरन खडा रखना पडता है।गारंटी पीरियड में चार्जर ठीक करने की भी अलग से पेमेंट लेते है। पूछने पर कंपनी वाले यह कह कर अपना पिंड छुडा लेते हैं कि ऑटो में लगा चार्जर हमारी कंपनी का नहीं है। इसलिए चार्जर की कोई गारंटी नहीं है। वहीं ऑटो पार्ट मार्किट से अधिक के रेट में देते हैं। इलैक्ट्रिक ऑटो में पेश आ रही दिक्कत के मद्देनजर ऑटोचालको की दिहाड़ी टूट रही है।

वहीं इलैक्ट्रिक ऑटो चालक अजीत सिंह,इर्शाद खान- ,देवेन्द्र सिंह, नानक चंद, अवतार सिंह , संदीप- कपूर,योगेश,परवेज- ,,विजेंद्र कुमार,चंद्र प्रकाश, शरद चौहान,आसिफ- ,गुरप्रीत सिंह,विकास,हंसराज रफीक,विजय समेत अन्य सैंकड़ो इलैक्ट्रिक ऑटोचालको ने पियाजियो कंपनी के द्वारा बरती जा रही कोताही पर अपना पुरजोर विरोध जताया है। दिऑचा संघ के प्रधान ने बताया कि पियाजियों कंपनी के इलैक्ट्रिक ऑटो में आ रही परेशानी से बाकायदा केंद्रीय ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर नितिन गडगरी, दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलौत,समेत पियाजियो कंपनी के मुख्यालय के आलाधिकारियो को भी लेटर लिखकर समस्या के समाधान की गुहार लगा चुके है। लेकिन अब तक इलैक्ट्रिक ऑटोचालकों की सुनवाई पर चुप्पी साधे हुए हैं। उधर इस बावत कंपनी के जहांगीर पुरी स्थित शोरूम पर तैनात अधिकारी अमृतांशु से इस संवाददाता ने मोबाइल नंबर 8956877364 पर बात कि तो उन्होंने ऑटो में पेश आ रही परेशानियों पर कहा कि इस बावत ओखला स्थित आफिस में जानकारी दी जा चुकी है।आगे का काम उनके पार्ट पर होगा।

मीडिया में ऑटोचालक की कंपनी की बावत शिकायत देने पर उन्होने यहां तक कह डाला कि आप मीडिया में दे सकते हैं।

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)
TOLWA
website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com
रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण
रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

ट्रांसपोर्ट मिनिस्ट्री के अधिकारियों के मुताबिक वर्ष 2026 तक इसके तैयार होने की उम्मीद है।

देश के शहरों में भीडभाड और ट्रैफिक से निजात का मल्टी स्टोरी ऐलिवेटिड रोड प्लान ऊपर से चलेगी मैट्रो

परिवहन विशेष न्यूज

एसडी सेठी। अगर सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो देश में पहली बार होगा कि आने वाले समय में देश में तीन मंजिला एलिवेटिड रोड के ऊपर मोटर गाडी समेत मैट्रो भी दौडती नजर आएगी। ट्रांसपोर्ट मिनिस्ट्री के अधिकारियों के मुताबिक वर्ष 2026 तक इसके तैयार होने की उम्मीद है।अधिकारियों के सूत्रों के मुताबिक राजधानी दिल्ली समेत,मुंबई, चेन्नै,बेंगलूर और पूणे जैसे शहरो में निरंतर बढती भीड के दबाव से निजात पाने में मल्टी स्टोरी एलिवेटिड रोड बनाने की भावी योजना ही कारगर हो सकती है। इसकी वजह में भूमि व जगह की कमी के चलते अलग से फ्लाईओवर या रोड निकालने की गुंजाइश ना के बराबर है। इसी के मद्देनजर ही अब इंसान को जमीन से हवा में मल्टी स्टोरी ऐलिवेटिड रोड की योजना पर काम शुरू करना ही पडेगा।

इस बावत केंद्रीय सडक ,परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडगरी की चैन्नै और पूणे के लिए बनाई गई महत्वकांशी योजनाओ में कुछ ऐसा ही सपना स्काई ड्राइव को लेकर तैयार किया जा रहा है।

ट्रांसपोर्ट मिनिस्ट्री के अधिकारियों के सूत्रों के मुताबिक साल 2026 तक इसके तैयार होने का टार्गेट है। केंद्रीय सडक, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडगरी की भविष्य की ऐसी ही महत्वकाशी योजनाओ से ही बडे शहरो को ट्रेफिक जाम से मुक्त किया जा सकता है ।हाईराईस सुरक्षा के लिए मानकों पर खरा उतरना बेहद जरूरी है। उल्लेखनीय है कि देश में सबसे पहले नागपुर में इस तरह का प्रोजेक्ट बनाया गया था ।जिसके कामयाब होने के बाद अब देश में अन्य शहरो में ऐसे दूरगामी प्रोजेक्ट पर जल्द ही काम शुरू किया जा सकता है।

महाकुंभ तक फ्रेट कॉरीडोर से ही संचालित होंगी सभी मालगाड़ियां, रेलवे बोर्ड के निदेशक ने किया निरीक्षण

2025 में आगामी महाकुंभ को ध्यान में रखते हुए भारतीय रेलवे से डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर तक सौ फीसदी माल यातायात की आवाजाही सुनिश्चित करने की बात कही। न्यू करछना के स्टेशन यार्ड का निरीक्षण किया।

प्रयागराज। महाकुंभ मेले के पूर्व सभी मालगाड़ियों का संचालन ईस्टर्न डेडीकेटेड फ्रेट कॉरीडोर (ईडीएफसी) में होने लगेगा। शनिवार को ईडीएफसी के ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर का निरीक्षण करने पहुंचे रेलवे बोर्ड के कार्यकारी निदेशक (यातायात परिवहन) प्रदीप कुमार ओझा ने इस संबंध में अफसरों से चर्चा की। कहा कि शत प्रतिशत मालगाड़ियां शिफ्ट हो जाने के बाद रेलवे यात्री ट्रेनों की संख्या बढ़ा सकेगा। 2025 में आगामी महाकुंभ को ध्यान में रखते हुए भारतीय रेलवे से डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर तक सौ फीसदी माल यातायात की आवाजाही सुनिश्चित करने की बात कही। न्यू करछना के स्टेशन यार्ड का निरीक्षण किया। वहां डीएफसी में तकनीकी प्रगति और उन्नत इंजीनियरिंग उपकरण की जानकारी ली। टावर वैगन में न्यू करछना से न्यू मनौरी तक फुट प्लेट निरीक्षण भी किया।

उन्होंने कहा कि डीएफसी में अधिक स्थानीय व्यापार के अवसरों और सीमेंट साइडिंग व्यवसाय का लाभ उठाने के लिए न्यू मनौरी, न्यू दाउदखान और न्यू उंचडीह में गुड्स शेड बनाए जाएं। सीमेंट ग्राइंडिंग इकाइयों के यूनिट प्रमुखों से भी मुलाकात की।

इनसाइड

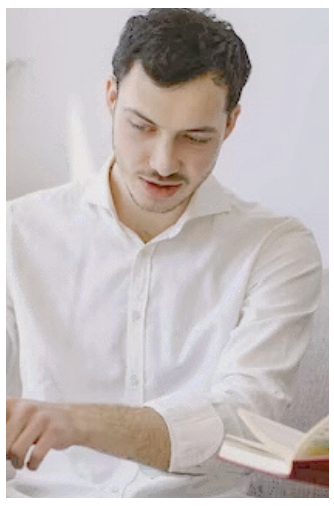

ऑफिस में महिला कलीग से बात करें तो जरूर रखें इन बातों का ख्याल, बन जाएंगे उनके फेवरेट, बॉन्डिंग भी होगी स्ट्रॉन्ग

ऑफिस में फीमेल कलीग से बात करना कई पुरुषों के लिए आसान नहीं होता है. ऐसे में पुरुष महिला कलीग के सामने भाषा पर ध्यान देने से लेकर स्माइल करने, मोटिवेट रखने जैसे कुछ टिप्स अपनाकर उनके साथ हेल्दी और फ्रेंडली रिलेशनशिप डेवलप कर सकते हैं.

ऑफिस में पुरुष और महिला कलीग्स दोनों मौजूद रहते हैं. ऐसे में कई मेल कलीग्स आपस में काफी अच्छे दोस्त होते हैं मगर फीमेल कलीग्स के सामने ज्यादातर पुरुष असहज महसूस करते हैं. आप चाहें तो महिला सहकर्मी से बात करते समय कुछ चीजों का खास ख्याल रखकर ना सिर्फ उनके फेवरेट बन सकते हैं, बल्कि उनके साथ अपनी बॉन्डिंग को भी स्ट्रॉन्ग बना सकते हैं.

फीमेल कलीग के सामने कई सारे पुरुष नर्वस हो जाते हैं, जिसके चलते वे महिलाओं से खुलकर बात नहीं कर पाते हैं. इसका असर आपके काम पर भी पड़ सकता है. ऐसे में कुछ बातों को ध्यान में रखकर आप फीमेल कलीग्स से बेस्ट बॉन्डिंग बना सकते हैं. आइए जानते हैं ऑफिस में महिला कलीग से बात करने के टिप्स.

भाषा पर संयम रखें

अपने ऑफिस की किसी भी महिला कर्मचारी से बात करते समय पुरुषों को भाषा पर ध्यान देना जरूरी होता है. दरअसल, पुरुष आपस में तुम या तू करके बात करते हैं मगर महिलाओं के सामने ऐसे पेश आने से आपका इम्प्रेशन खराब हो सकता है. वहीं, फीमेल कलीग के सामने बॉडी लैंग्वेज भी सही रखें, जिससे वे भी आपके सामने सहज महसूस कर सकें.

स्माइल करना है जरूरी

अगर आप महिला कलीग से बात करने में असहज महसूस करते हैं तो आप उन्हें दूर से देखकर मुस्कुरा भी सकते हैं. फीमेल कलीग से आई कॉन्टैक्ट होने पर आपकी एक मुस्कान भी काफी है. इससे आप बिना बोले उनके साथ स्ट्रॉन्ग बॉन्डिंग बना सकेंगे और आपका रिश्ता मजबूत होने लगेगा.

काम पर ध्यान दें

महिला कलीग से स्ट्रॉन्ग बॉन्डिंग बनाने के लिए आप काम में उनकी मदद मांग सकते हैं. इससे ना सिर्फ ऑफिस का प्रोजेक्ट जल्दी खत्म हो जाएगा, बल्कि काम के बीच में हंसी-मजाक करने से आपका रिश्ता भी बेहतर होने लगेगा. लेकिन, काम के दौरान पॉजिटिविटी बरकरार रखें और साथी कलीग की बुराई करने से बचें.

मोटिवेट करें

महिला कलीग को काम के प्रति मोटिवेट रखकर आप उनसे स्ट्रॉन्ग बॉन्डिंग बना सकते हैं. इससे फीमेल कलीग की ऑफिस परफॉर्मेंस भी बेहतर होने लगेगी. साथ ही उनका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा, जिससे आप फीमेल कलीग के फेवरेट बन जाएंगे.

टी ब्रेक पर जाएं

ऑफिस के काम में लोगों को फीमेल कलीग से बात करने का मौका कम ही मिलता है. ऐसे में आप महिला कलीग को चाय या कॉफी का ऑफर दे सकते हैं मगर ध्यान रहे कि हर रोज महिला कलीग के साथ टी ब्रेक पर ना जाएं. इससे फीमेल कलीग के साथ आप बेस्ट प्रोफेशनल रिलेशन बना सकेंगे.

भारत के इतिहास में इन वीरांगनाओं का नाम नहीं भुलाया जा सकता

इतिहास गवाह है कि महिलाओं ने समय-समय पर अपनी बहादुरी और साहस का प्रयोग कर पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिला कर चली हैं। आज हम अपनी खबर में ऐसी ही महिलाओं के शौर्य और वीरता की बात करेंगे जिन्होंने क्रांतिकारी गातिविधियों में अपना योगदान निडर होके दिया और कुछ ऐसी भी वीरांगनाएँ जिन्होंने असंभव प्रयास करते हुए किसी भी युग में न भूलने वाला काम किया और अमर हो गयी।

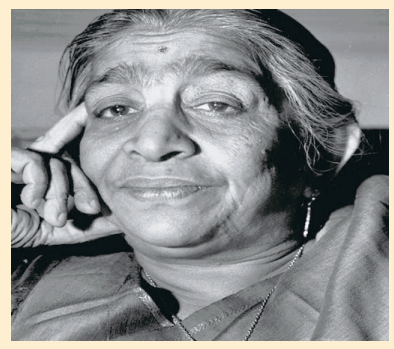

रानी लक्ष्मीबाई (19 नवंबर – 17 जून 1858)

भारत में जब भी महिलाओं के सशक्तिकरण की बात होती है तो महान वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई की चर्चा ज़रूर होती है। रानी लक्ष्मीबाई न सिर्फ़ एक महान नाम है बल्कि वह एक आदर्श हैं उन सभी महिलाओं के लिए जो खुद को बहादुर मानती हैं और उनके लिए भी एक आदर्श हैं जो महिलाएं ये सोचती है कि 'वह महिलाएं हैं तो कुछ नहीं कर सकती.' देश के पहले स्वतंत्रता संग्राम (1857) में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली रानी लक्ष्मीबाई के अप्रतिम शौर्य से चकित अंग्रेजों ने भी उनकी प्रशंसा की थी और वह अपनी वीरता के किस्सों को लेकर किंवदंती बन चुकी हैं।

ऊषा मेहता सावित्रीबाई फूले (25 मार्च 1920 – 11 अगस्त 2000)

कांग्रेस रेडियो जिसे 'सीक्रेट कांग्रेस रेडियो' के नाम से भी जाना जाता है, इसे शुरू करने वाली ऊषा मेहता ही थीं. भारत छोड़ो आंदोलन (1942) के दौरान कुछ महीनों तक कांग्रेस रेडियो काफ़ी सक्रिय रहा था। इस रडियो के कारण ही उन्हें पुणे की येरवाड़ा जेल में रहना पड़ा। वे महात्मा गांधी की अनुयायी थीं।

बेगम हज़रत महल (1820 – 7 अप्रैल 1879)

जंगे-आज़ादी के सभी अहम केंद्रों में अवध सबसे ज़्यादा वक्त तक आज़ाद रहा। इस बीच बेगम हज़रत महल ने लखनऊ में नए सिरे से शासन संभाला और बगावत की कयादत की। तकरीबन पूरा अवध उनके साथ रहा और तमाम दूसरे ताल्लुकेदारों ने भी उनका साथ दिया। बेगम हजरत महल की हिम्मत का इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि उन्होंने मटियाबुर्ज में जंगे-आज़ादी के दौरान नज़रबंद किए गए वाजिद अली शाह को छुड़ाने के लिए लार्ड कैनिंग के सुरक्षा दस्ते में भी सेंध लगा दी थी।

ऐनी बेसेंट (1 अक्टूबर 1857 – 20 सितम्बर 1933)

थियोसोफिकल सोसाइटी और भारतीय होम रूल आंदोलन में अपनी विशिष्ट भागीदारी निभाने वाली ऐनी बेसेंट का जन्म 1 अक्टूबर, 1847 को तत्कालीन यूनाइटेड किंगडम ऑफ ग्रेट ब्रिटेन एंड आयरलैंड के लंदन शहर में हुआ था। 1890 में ऐनी बेसेंट हेलेना ब्लावत्सकी द्वारा स्थापित थियोसोफिकल सोसाइटी, जो हिंदू धर्म और उसके आदर्शों का प्रचार-प्रसार करती है, की सदस्या बन गईं. भारत आने के बाद भी ऐनी बेसेंट महिला अधिकारों के लिए लड़ती रहीं। महिलाओं को वोट जैसे अधिकारों की मांग करते हुए ऐनी बेसेंट लागातार ब्रिटिश सरकार को पत्र लिखती रहीं। भारत में रहते हुए ऐनी बेसेंट ने स्वराज के लिए चल रहे होम रूल आंदोलन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

मैडम भीकाजी कामा (24 सितम्बर 1861 – 13 अगस्त 1936)

मैडम भीकाजी कामा ने आज़ादी की लड़ाई में एक सक्रिय भूमिका निभाई थी। इनका नाम इतिहास के पन्नोंज पर दर्ज है। स्वतंत्रता की लड़ाई में उन्होंने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। वो बाद में लंदन चली गईं और उन्हें भारत आने की अनुमति नहीं मिली।

कस्तूरबा गांधी (11 अप्रैल 1869 – 22 फरवरी 1942)

मोहनदास करमचंद गांधी ने 'बा' के बारे में खुद स्वीकार किया था कि उनकी दृढ़ता और साहस खुद गांधीजी से भी उन्न त थे।वह एक दृढ़ आत्म शक्ति वाली महिला थीं और गांधीजी की प्रेरणा भी। उन्होंने लोगों को शिक्षा, अनुशासन और स्वास्थ्य से जुड़े बुनियादी सबक सिखाए और आज़ादी की लड़ाई में पर्दे के पीछे रह कर सराहनिय कार्य किया है।

सरोजिनी नायडू (13 फरवरी 1879 – 2 मार्च 1949)

भारत कोकिला सरोजिनी नायडू सिर्फ़ स्वएतंत्रता संग्राम सेनानी ही नहीं, बल्कि बहुत अच्छी कवियत्री भी थीं। गोपाल कृष्ण गोखले से एक ऐतिहासिक मुलाक़ात ने उनके जीवन की दिशा बदल दी। सरोजिनी नायडू ने खिलाफ़त आंदोलन की बागडोर संभाली और अंग्रेजों को भारत से निकालने में अहम योगदान दिया।

कमला नेहरू (1 अगस्त 1899 – 28 फरवरी 1936)

कमला विवाह के बाद जब इलाहाबाद आईं तो एक सामान्यप, कम उम्र की नई नवेली दुल्हन भर थीं. लेकिन समय आने पर यही शांत स्वाभाव की महिला लौह स्त्रीव साबित हुई, जो धरने-जुलूस में अंग्रेजों का सामना करती, भूख हड़ताल करती और जेल की पथरीली धरती पर सोती थी। नेहरू के साथ-साथ कमला नेहरू और फ़िर इंदिरा की प्रेरणाओं में देश की आज़ादी ही सर्वोपरि थी। असहयोग आंदोलन और सविनय अवज्ञा आंदोलन में उन्होंने बढ़-चढ़कर शिरकत की थी।

अरूणा आसफ़ अली (16 जुलाई 1909 – 26 जुलाई 1996)

अरूणा आसफ़ अली को भारत की आज़ादी के लिए लड़ने वाली एक सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में पहचाना जाता है। उन्होंने एक कार्यकर्ता होने के नाते नमक सत्याग्रह में भाग लिया और लोगों को अपने साथ जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की, साथ ही वे 'इंडियन नेशनल कांग्रेस' की एक सक्रिय सदस्य थीं।

विजयलक्ष्मी पंडित (18 अगस्त 1900 – 1 दिसम्बर 1990)

एक संपन्नय, कुलीन घराने से ताल्लुहक रखने वाली और जवाहरलाल नेहरू की बहन विजयलक्ष्मीं पंडित भी आज़ादी की लड़ाई में शामिल थीं. सविनय अवज्ञा आंदोलन में भाग लेने के कारण उन्हें जेल में बंद किया गया था। वे संयुक्तम राष्ट्र की पहली भारतीय महिला अध्यक्ष थीं और स्वतंत्र भारत की पहली महिला राजदूत थीं जिन्होंने मास्को, लंदन और वॉशिंगटन में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

लूज हो रहा सेल्फ कॉन्फिडेंस? महिलाएं इन 7 टिप्स की लें मदद, दमदार बन जाएगी पर्सनैलिटी

जिंदगी में सफल और कामयाब व्यक्ति बनने के लिए आत्मविश्वास का होना बेहद जरूरी होता है. हालांकि कुछ लोगों में कॉन्फीडेंस का लेवल अक्सर कम रहता है. ऐसे में ड्रेसिंग सेंस पर ध्यान देने से लेकर खुद पर विश्वास रखने और आलोचनाओं को नजरअंदाज करके आप बोल्ड और कॉन्फिडेंट पर्सनैलिटी बनकर उभर सकते हैं.

शानदार पर्सनैलिटी के लिए कॉन्फिडेंस हाई होना बेहद जरूरी होता है. खासकर करियर को बेहतर बनाने में आत्मविश्वास का अहम योगदान होता है. हालांकि कुछ लोगों में अक्सर सेल्फ कॉन्फिडेंस (Self confidence) की कमी देखने को मिलती है. ऐसे में अगर आपका कॉन्फिडेंस भी लूज हो रहा है. तो आप कुछ आसान टिप्स की मदद ले सकते हैं. जिससे आपका आत्मविश्वास मिनटों में बढ़ता दिखाई देने लगेगा.

सेल्फ कॉन्फिडेंस लोगों की पर्सनैलिटी में चार चांद लगाने का काम करता है. ऐसे में आत्मविश्वास को ज्यादातर लोगों का हैप्पीनेस सीक्रेट भी माना जाता है. वहीं कॉन्फिडेंस की कमी होने के कारण लोगों को लाइफ में काफी सफर करना पड़ सकता है. इसलिए हम आपको बताने जा रहे हैं कॉन्फिडेंस बूस्ट करने के कुछ आसान टिप्स, जिसकी मदद से आप खुशमिजाज और बोल्ड पर्सनैलिटी बनकर उभर सकते हैं.

ड्रेसिंग सेंस पर फोकस करें

ड्रेसिंग सेंस आपके लिए कॉन्फिडेंस बूस्टर साबित हो सकता है. ऐसे में अच्छी ड्रेस, मैचिंग फुटवियर और गुड लुक कैरी करके आप अंदर से काफी कॉन्फिडेंट महसूस कर सकते हैं.

कम्युनिकेशन पर ध्यान दें

कॉन्फिडेंट पर्सनैलिटी बनने के लिए आपको कम्युनिकेशन स्किल्स पर भी ध्यान देना चाहिए. ऐसे में अलग-अलग लोगों से बातचीत के दौरान अपने शब्दों और बॉडी लैंग्वेज पर फोकस करें. इससे आपकी कम्युनिकेशन स्किल्स में सुधार आएगा और आप कॉन्फिडेंट फील करने लगेंगे.

खुद पर विश्वास रखें

खुद पर भरोसा ना होने पर लोग अक्सर कन्फ्यूज और डल महसूस करते हैं. ऐसे में कॉन्फिडेंस बढ़ाने के लिए आपको खुद पर भरोसा रखना जरूरी होता है. इसलिए दूसरों की बातों पर गौर करने की बजाए अपने फैसलों का सम्मान करें.

गलतियों से ना डरें

गलतियों के डर से लोग अक्सर कुछ नया करना अवॉइड कर देते हैं. जिससे आपका अत्मविश्वास कम हो सकता है. ऐसे में आलोचनाओं का डट कर सामना करें और हमेशा नया सीखने के प्रति तत्पर रहें. इससे आपका कॉन्फिडेंस बढ़ने लगेगा.

दूसरों से अलग बनें

कई बार दूसरों को कॉपी करने के चक्कर में लोग अपनी यूनीक पर्सनैलिटी से समझौता कर लेते हैं. हालांकि खुद को दूसरों से अलग बनाकर आप कॉन्फिडेंट महसूस कर सकते हैं. इसलिए किसी को कॉपी करने की बजाए अपनी स्किल्स को निखारने पर फोकस करें.

डर से लड़ें

कई बार हार या आलोचनाओं के डर से लोग अपने दिल की नहीं सुनते हैं. जिसके चलते आप अंदर ही अंदर घुट कर रह जाते हैं. इसलिए डर से भागने की बजाए इसका डट कर सामना करें और अपनी बात रखने में बिल्कुल ना हिचकिचाएं. इससे आपका कॉन्फिडेंस आसानी से बूस्ट होने लगेगा.

लोगों की बातों को करें नजरअंदाज

कुछ लोग दूसरों की बातों को अक्सर दिल से लगा लेते हैं. जिससे आप खुद अपनी सफलता में बाधक बन जाते हैं. इसलिए लोगों की बातों को नजरअंदाज करने की कोशिश करें और खुद अपनी गलतियों से सीख लेकर जिंदगी में आगे बढ़ें. इससे आप कॉन्फीडेंट और बोल्ड पर्सनैलिटी बनकर उभरेंगे.

50 के बाद भी रहना है हेल्दी, 4 विटामिन्स को करें डाइट में शामिल, कम दिखने लगेगी उम्र, हमेशा रहेंगी फिट

पचास की उम्र के बाद महिलाओं में कमजोरी आने लगती है. ऐसे में महिलाएं अपनी बढ़ती उम्र को कम दिखाने की पूरी कोशिश करती हैं. वहीं, तमाम नुस्खे आजमाने के बाद भी महिलाएं अपनी ऐज को छुपाने में नाकाम हो जाती हैं. अगर आप 50 की हो रही हैं तो कुछ जरूरी विटामिन्स को डाइट (Diet tips) में एड करके आप उम्र के असर को आसानी से हाइड कर सकती हैं.

50 प्लस वुमेंस में विटामिन की कमी होना काफी आम बात है. ऐसे में विटामिन रिच डाइट को अवॉयड करने से ना सिर्फ महिलाएं फिजिकली वीक महसूस करने लगती हैं, बल्कि आपकी उम्र भी ज्यादा दिखती है. मेडिकलन्यूज़टुडे के मुताबिक, हम आपको बताते हैं 5 एसेंशियल विटामिन सप्लीमेंट्स के नाम, जिनका सेवन करके आप 50 के बाद भी खुद को यंग रख सकती हैं.

विटामिन बी 12

विटामिन बी 12 को एनर्जी का बेस्ट सोर्स माना जाता है. मगर बढ़ती उम्र के साथ शरीर में विटामिन बी 12 की कमी देखने को मिलने लगती है. ऐसे में दूध, डेयरी प्रोडक्ट्स, एनिमल प्रोडक्ट्स, चिकन, फिश, अंडा, मीट और खमीर जैसी चीजों को डाइट में शामिल करके आप विटामिन बी 12 की कमी पूरी कर सकती हैं.

कैल्शियम

कैल्शियम रिच डाइट हड्डियों को मजबूत बनाने में मददगार होती है. साथ ही कैल्शियम से भरपूर चीजें खाने से महिलाओं में फ्रैक्चर होने की संभावना कम रहती है. ऐसे में कैल्शियम की कमी पूरी करने के लिए आप ड्राई फ्रूट्स, बीज, डेयरी प्रोडक्ट्स, मछली, बीन्स, दाल, हरी पत्तेदार सब्जियों, सोयाबीन और टोफू का सेवन कर सकती हैं.

विटामिन डी

50 से ज्यादा उम्र वाली महिलाओं के लिए विटामिन डी का सेवन भी जरूरी होता है. विटामिन डी शरीर की इम्यूनिटी बढ़ाने के साथ-साथ डिप्रेशन, एंग्जाइटी और थकान को दूर रखने में सहायक होता है. वहीं डेयरी प्रोडक्ट, अंडा और फिश को विटामिन डी का बेहतर स्रोत माना जाता है. इसके अलावा बॉडी में विटामिन डी की कमी पूरी करने के लिए आप कुछ देर धूप में भी बैठ सकती हैं.

विटामिन बी 6

50 के बाद शरीर में विटामिन बी 6 की कमी होने लगती है. ऐसे में फिट और हेल्दी रहने के लिए विटामिन बी 6 से भरपूर आहार लेना जरूरी हो जाता है. वहीं गाजर, पालक, केला, दूध, चिकन और कलोंजी को विटामिन बी 6 का बेस्ट सोर्स माना जाता है.

हेमंत सोरेन की पत्नी और अरविंद केजरीवाल के बीच फोन पर हुई बातचीत, जानिए दोनों क्या बोले

परिवहन विशेष न्यूज

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने रविवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने फोन पर बातचीत की है। इस बारे में उन्होंने सोशल साइटस एक्स पर बताया है। वहीं अरविंद केजरीवाल ने कहा कि वह हेमंत सोरेन के साथ खड़े हैं। कल्पना सोरेन ने एक्स पर पोस्ट किया आज दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद से फोन पर बातचीत हुई।

नई दिल्ली। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने रविवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने फोन पर बातचीत की है। इस बारे में उन्होंने सोशल साइटस एक्स पर बताया है। वहीं, अरविंद केजरीवाल ने कहा कि वह हेमंत सोरेन के साथ खड़े हैं।

कल्पना सोरेन ने एक्स पर पोस्ट किया, आज दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद से फोन पर बातचीत हुई। अरविंद केजरीवाल जी का धन्यवाद कि इस घड़ी में वह झारखण्डी योद्धा हेमंत सोरेन और झामुमो (झारखंड मुक्ति मोर्चा) परिवार के साथ हैं।

केंद्र सरकार और बीजेपी का षड्यंत्र आज पूरा देश देख रहा है। झारखंड के साथ-साथ दिल्ली एवं अन्य गैर-भाजपा शासित राज्यों में कैसे लोकतंत्र को तार-तार किया जा रहा है, यह देख हर कोई क्षुब्ध है। केंद्र सरकार और बीजेपी के इस षड्यंत्र का हमें मिलकर मुकाबला करना है।

वहीं, अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर पोस्ट किया, कल्पना जी, हम झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ पूरी तरह खड़े हैं। पूरा देश उनकी हिम्मत और हौसले की दाद देता है। किस तरह वे बीजेपी के जुल्मों का सामना कर रहे हैं। आज अगर वो बीजेपी के साथ चले जाते तो उन्हें जेल ना होती। लेकिन उन्होंने सच्चाई का पथ नहीं छोड़ा। उन्हें सलाम!

भरण-पोषण मामले में महिला अदालत की अवमानना की दोषी करार: दिल्ली हाई कोर्ट

अदालत ने कहा कि तथ्य यह नहीं है कि महिला अदालत के निर्देशों का अनुपान नहीं कर सकती थी बल्कि आदेश का अनुपालन करने से बचने के लिए अधूरे कारण बताए। अदालत ने नोट किया कि महिला एक अच्छा व्यापार चलाती है और अदालत द्वारा भरण-पोषण के रूप में निर्धारित की गई धनराशि इतनी बड़ी नहीं थी कि वह इसका प्रबंध न कर सके।

नई दिल्ली। पति व बच्चे को भरण-पोषण देने संबंधी मेट्रोपालिटन मजिस्ट्रेट (महिला अदालत) के आदेश का अनुपालन नहीं करने पर दिल्ली हाई कोर्ट ने एक महिला को अदालत की अवमानना दोषी करार दिया है।

अदालत ने कहा कि महिला को आर्थिक अक्षमता इस हद तक नहीं है कि वह अदालत के आदेशों का अनुपालन नहीं कर सके। अदालत ने कहा कि तथ्य यह नहीं है कि महिला अदालत के निर्देशों का अनुपान नहीं कर सकती थी, बल्कि आदेश का अनुपालन करने से बचने के लिए अधूरे कारण बताए। अदालत ने नोट किया कि महिला एक अच्छा व्यापार चलाती है और अदालत द्वारा भरण-पोषण के रूप में निर्धारित की गई धनराशि इतनी बड़ी नहीं थी कि वह इसका प्रबंध न कर सके।

एक महीने के साधारण कारावास की सजा

महिला को एक महीने के साधारण कारावास की सजा व दो हजार रुपये का जुर्माना लगाते हुए न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की पीठ ने कहा कि प्रतिवादी महिला ऐसी कोई परिस्थिति अदालत के समक्ष पेश करने में असफल रही है कि उसे जानबूझकर की गई अदालत की अवमानना के लिए दंडित नहीं किया जाना चाहिए।

सीएम केजरीवाल और आतिशी को दोबारा नोटिस देगी क्राइम ब्रांच

भाजपा पर आम आदमी पार्टी (AAP) के विधायकों की खरीद फरोख्त करने के आरोप मामले में दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल व कैबिनेट मंत्री आतिशी को दोबारा नोटिस भेजने का निर्णय लिया है। एडिशनल पुलिस कमिश्नर क्राइम ब्रांच संजय भाटिया का कहना है कि अभी किसानों के दिल्ली कूच करने के एलान के मद्देनजर दिल्ली पुलिस का फोकस सीमाओं की पहरेदारी पर है।

नई दिल्ली। भाजपा पर आम आदमी पार्टी (AAP) के विधायकों की खरीद फरोख्त करने के आरोप मामले में दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल व कैबिनेट मंत्री आतिशी को दोबारा नोटिस भेजने का निर्णय लिया है। एडिशनल पुलिस कमिश्नर, क्राइम ब्रांच, संजय भाटिया का कहना है कि अभी किसानों के दिल्ली कूच करने के एलान के मद्देनजर दिल्ली पुलिस का फोकस सीमाओं की पहरेदारी पर है। यह मामला खत्म होते ही दोनों को दोबारा नोटिस भेज जानकारी मांगी जाएगी।

भाजपा पर लगाया था ये आरोप

27 जनवरी को एक्स पर किए गए पोस्ट में आम आदमी पार्टी ने आरोप लगाया था कि भाजपा, आम आदमी पार्टी के सात विधायकों से संपर्क कर मुख्यमंत्री को गिरफ्तार कराने व उन्हें तोड़ने की बात कह रही है। 21 विधायकों से बात हो जाने व अन्य से बात करने की बात कह रही है। भाजपा, दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार गिराने की बात कह रही है।

विधायकों को 25-25 करोड़ रुपये देने व आगामी चुनाव में भाजपा की ओर से टिकट दिलाने की बात कह रही है लेकिन विधायकों ने भाजपा के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। पोस्ट के बाद आप नेता आतिशी ने पत्रकार वार्ता करके भी यही आरोप लगाया था।

भाजपा नेताओं ने कमिश्नर से की शिकायत

इसके बाद 29 जनवरी को दिल्ली भाजपा के कुछ सांसदों व विधायकों ने पुलिस मुख्यालय पहुंचकर पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा से मुलाकात कर उन्हें मुख्यमंत्री व आप सरकार द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच करवा कार्रवाई करने के लिए शिकायत की थी।

इसपर पुलिस आयुक्त ने जांच की जिम्मेदारी क्राइम ब्रांच को सौंप दी थी। उसी सिलसिले में क्राइम ब्रांच मामले की जांच कर रही है। अभी इस मामले में कोई केस दर्ज नहीं किया गया है। जांच में सामने आए सुबूतों के आधार पर पुलिस आगे का निर्णय लेगी।

इसी सिलसिले में करीब दो हफ्ते पहले क्राइम ब्रांच ने मुख्यमंत्री के सिविल लाइंस स्थित आवास व आतिशी के आवास पर जाकर उन्हें नोटिस सौंप तीन दिन के अंदर भाजपा नेताओं पर आप विधायकों की खरीद फरोख्त करने के आरोप लगाए जाने से संबंधित जानकारी देने को कहा था, लेकिन अब तक दोनों नेताओं से पुलिस को कोई जवाब नहीं मिल पाया है।

दिल्ली-NCR में बदलेगा मौसम, सर्दी होगी रिटर्न; बारिश को लेकर IMD ने दिया बड़ा अपडेट

दिल्ली में लगातार बढ़ रहे अधिकतम तापमान से फिलहाल भले ही गर्मी का एहसास होने लगा हो लेकिन जल्द ही दिल्ली वासियों को एक बार फिर ठंड का झटका लग सकता है। पश्चिमी विक्षोभ के असर से सोमवार मंगलवार और बुधवार को हल्की वर्षा होने का अनुमान है। इसके कारण अधिकतम तापमान में तीन से चार डिग्री की कमी आ सकती है।

नई दिल्ली। दिल्ली में लगातार बढ़ रहे अधिकतम तापमान से फिलहाल भले ही गर्मी का एहसास होने लगा हो, लेकिन जल्द ही दिल्ली वासियों को एक बार फिर ठंड का झटका लग सकता है। पश्चिमी विक्षोभ के असर से सोमवार, मंगलवार और बुधवार को हल्की वर्षा होने का अनुमान है। इसके कारण अधिकतम तापमान में तीन से चार डिग्री की कमी आ सकती है। तापमान में कमी आने के चलते एक बार फिर ठंडक बढ़ेगी।

पिछले कुछ दिनों से अधिकतम तापमान में लगातार बढ़ोत्तरी देखने को मिल रही है। लेकिन शनिवार को इसमें आंशिक कमी देखी गई। शुक्रवार को जहां अधिकतम तापमान 27.2 डिग्री था तो वहीं शनिवार को अधिकतम तापमान 26.5 डिग्री दर्ज किया गया। यह सामान्य से दो डिग्री ज्यादा है।

कितना रहा तापमान

शनिवार को न्यूनतम तापमान 7.4 डिग्री रिकॉर्ड किया गया जो सामान्य से चार डिग्री कम है। हवा में नमी का स्तर 100 से 31 प्रतिशत रहा। मुंगेशपुर दिल्ली का सबसे ठंडा इलाका रहा जहां न्यूनतम तापमान 5.2 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि पीतमपुरा सबसे गर्म क्षेत्र रहा। जहां अधिकतम तापमान 27.4 डिग्री दर्ज किया गया।

छाए रहेंगे बादल

मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि रविवार को सुबह हल्की धुंध हो सकती है। दिन में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 27 और नौ डिग्री रह सकता है। सोमवार को हल्की वर्षा के साथ तेज हवाएं चलेंगी। मंगलवार को हल्की से मध्यम श्रेणी की वर्षा हो सकती है जबकि बुधवार को हल्की वर्षा की संभावना है। मंगलवार को अधिकतम तापमान 22 डिग्री के लगभग रहने का अनुमान है।

दो दिन "खराब" श्रेणी में रहेगा प्रदूषण

दिल्ली में अगले दो दिनों तक प्रदूषण "खराब" श्रेणी में ही बना रहेगा। शुक्रवार के मुकाबले शनिवार को प्रदूषण में मामूली कमी देखने को मिली। शुक्रवार को जहां दिल्ली का एक्यूआइ 257 था वहीं शनिवार को यह 245 दर्ज किया गया। विशेषज्ञों का मानना है कि मंगलवार से प्रदूषण "मध्यम" श्रेणी में आ जाएगा। हवा की रफ्तार बढ़ने के चलते दो से तीन दिन यह "मध्यम" श्रेणी में ही बना रहेगा।

शनिवार को दिल्ली में केवल आनंद विहार एकमात्र ऐसा क्षेत्र रहा जहां प्रदूषण "बहुत खराब" श्रेणी में दर्ज किया गया। यहां का एक्यूआई 329 रहा। अधिकांश इलाकों में जहां प्रदूषण "खराब" श्रेणी में रहा, वहीं पांच इलाकों में यह "मध्यम" श्रेणी में दर्ज किया गया। शनिवार को लोधी रोड दिल्ली का सबसे कम प्रदूषित क्षेत्र रहा जहां का एक्यूआई महज 122 दर्ज किया गया।

अलीपुर अग्निकांड: कपड़े, जुराब व हाथों में पहने कड़ों से की अपनों की पहचान, पोस्टमार्टम के बाद शव स्वजन को सौंपे

दिल्ली के अलीपुर पेंट फैक्ट्री में लगी भीषण आग में मरने वालों के अपनों ने शवगृह में रखे शवों को कपड़े जुराब जूते व हाथों में पहने कड़े व चूड़ियों से पहचान की और एक महिला समेत आठ मृतकों की पहचान शुक्रवार देर शाम तक हो गई थी। जबकि तीन लोगों की पहचान शनिवार को हुई। वहीं सभी के शव पोस्टमार्टम के बाद स्वजन को सौंप दिए गए।

दिल्ली। अलीपुर पेंट फैक्ट्री में लगी भीषण आग में मरने वालों के अपनों ने शवगृह में रखे शवों को कपड़े, जुराब, जूते व हाथों में पहने कड़े व चूड़ियों से पहचान की।

एक महिला समेत आठ मृतकों की पहचान शुक्रवार देर शाम तक हो गई थी। जबकि तीन लोगों की पहचान शनिवार को हुई। सभी के शव पोस्टमार्टम के बाद स्वजन को सौंप दिए गए।

पैंट देख जीजा ने पंकज को पहचाना

पंकज के जीजा शुभदेस ने बताया कि जहांगीरपुरी स्थित बाबू जगजीवन राम अस्पताल में शुक्रवार की सुबह 6 बजे से ही साले की शिनाख्त के लिए पहुंचे। कई घंटे तक यहां घूमते रहे, लेकिन इस केस के जांच अधिकारी के नहीं आने पर देरी होती चली गई।

शाम करीब चार बजे शव शिनाख्त के लिए शवगृह में पहुंचे। जहां पंकज के शव को पैंट देखकर पहचाना। शाम साढे पांच बजे शव हमें मिला।

जुराब से हुई फैक्ट्री मालिक की शिनाख्त

इस हादसे में जान गंवाने वाले फैक्ट्री मालिक अशोक कुमार की पहचान उनके जुराब से हुई। इनकी बहू शुक्रवार की शाम शवगृह पहुंची। जहां इनका जुराब देख, शव की शिनाख्त की। देर शाम तक पोस्टमार्टम के बाद इनके शव को भी पुलिस ने स्वजन को सौंप दिया।

स्टाल देख बेटी को पहचान रोने लगी मां

इस हादसे में जान गंवाने वाली महिला मीरा की मां कांति देवी ने बेटी के गले में लिपटे स्टाल, चूड़ियां व जूते देख शिनाख्त करते ही शवगृह के बाहर आकर रोने लगी। कांति ने बताया कि बेटी को कुछ दिन पहले ही मैने खरीदकर कुछ सामान दी थी।

जिसको देख हमने बेटी को पहचाना है। चेहरा अधिक झुलसे होने के कारण पहचानना मुश्किल था। मीरा तीन साल से पति से अलग तेरह वर्षीय एक बेटे के साथ किराये के मकान पर रहती थी।

बहन ने जूता देख भाई को पहचाना

राम प्रवेश के शव को उनकी बहन सुनीता ने जूते की कलर से पहचाना। सुनीता ने बताया कि भाई उनके साथ ही रहता था। अक्सर जूता गंदा होने पर वह खुद ही धोती थी। ऐसे में उन्हे जूते के बारे में पूरी जानकारी दी।

हलांकि जूते के ऊपर मिट्टी व धूल होने से पहचानना थोड़ा मुश्किल हो रहा था। लेकिन हाथों से तुरंत साफ कर, जूते को पहचान गई।

पिता के हाथ में कड़े देख पहचाना

अनिल ठाकुर के शव को उनके बेटे हर्ष ने इनर व हाथ में पहने कड़े से पहचान लिया। हर्ष ने बताया कि शव इतने विकृत हाल में थे कि इसे पहचानना नामुकिन था। इस दौरान इनके दोनों चाचा भी मौजूद थे। शुक्रवार की शाम इन्हें शव सौंप दिया गया।

आजमी मेडिकल सेंटर द्वारा निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

नई दिल्ली। आजमी मेडिकल सेंटर के तत्वावधान और डॉ. ऑफ चैरिटी हॉस्पिटल के सहयोग से ठोकर नंबर 5, अबुल फजल, दिल्ली में एक निःशुल्क स्वास्थ शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में नेत्र विज्ञान, दंत चिकित्सा और अन्य रोगों के डॉक्टर मौजूद थे। इस शिविर में सभी मरीजों की निःशुल्क जाँच एवं निःशुल्क दवाएँ भी वितरित की गईं। शिविर से लगभग १५० मरीज लाभान्वित हुए। इस अवसर पर आजमी मेडिकल सेंटर के निदेशक डॉ. जमीर आजमी ने कहा कि हमारा उद्देश्य सामाजिक कार्यों के माध्यम से समाज की बेहतरी में अपनी भूमिका निभाना है। हम लगातार सामाजिक गतिविधियों में हिस्सा ले रहे हैं. लोगों के जीवन में खुशियाँ लाना ही हमारा एकमात्र लक्ष्य है और हम हमेशा इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए काम करते हैं। उन्होंने कहा कि इस शिविर का मुख्य उद्देश्य यह है कि अधिक से अधिक लोगों को लाभ मिल सके क्योंकि इस क्षेत्र में बड़ी संख्या में ऐसे लोग रहते हैं जिनकी आजीविका मुश्किल है और वे अपना इलाज ठीक से नहीं करा पाते हैं इसलिए यह शिविर लगाया गया है ताकि अधिक से अधिक ज़रूरतमंद लोग इसका लाभ उठा सकें।

व्यापारियों ने दिल्ली पुलिस के अधिकारियों से मुलाकात कर सीमा खोलने का किया अनुरोध।

किसानों के आंदोलन का एलान, दिल्ली की सीमाओं पर किलेबंदी से हर दिन हो रहा करोड़ों का नुकसान

सीमाओं पर मुस्तैद पुलिसकर्मियों व अर्द्ध सैनिक बलों के रहने व खाने आदि के बंदोबस्त में हर दिन हो रहा लाखों खर्च।

परिवहन विशेष न्यूज

अपनी मांगों को लेकर किसानों के दिल्ली कूच करने के एलान के मद्देनजर दिल्ली की सभी सीमाओं पर चौकसी बरकरार है। पिछले छह दिनों से सीमाओं की किलेबंदी कर दिल्ली पुलिस व अर्द्ध सैनिक बलों के जवान दिन रात पहरा दे रहे हैं। उनके वहां रहने खाने आदि समुचित बंदोबस्त में हर दिन लाखों खर्च हो रहा है।

नई दिल्ली। अपनी मांगों को लेकर किसानों के दिल्ली कूच करने के एलान के मद्देनजर दिल्ली की सभी सीमाओं पर चौकसी बरकरार है। पिछले छह दिनों से सीमाओं की किलेबंदी कर दिल्ली पुलिस व अर्द्ध सैनिक बलों के जवान दिन रात पहरा दे रहे हैं। उनके वहां रहने, खाने आदि समुचित बंदोबस्त में हर दिन लाखों खर्च हो रहा है।

सिंघु बॉर्डर पर दोनों तरफ की सड़कें पूरी तरह से बंद कर देने पर सीमा से सटे कुंडली औद्योगिक क्षेत्र के व्यापारी भी सीमा बंद होने से खासी परेशानी महसूस कर रहे हैं। उन्होंने भी हर दिन करोड़ों का नुकसान होने की बात कही है।

विशेष आयुक्त, कानून एवं व्यवस्था, रवींद्र सिंह यादव का कहना है कि कुंडली में बड़ी संख्या में फैक्ट्री हैं। सिंघु सीमा पूरी तरह बंद कर देने से व्यापारियों ने पुलिस अधिकारियों से मुलाकात कर सीमा जल्द खोलने का अनुरोध किया है।

व्यापारियों का कहना है कि 2021 में लंबे समय तक सीमा बंद रहने का कारण उनका कारोबार चौपट हो गया था। उन्हें करोड़ों का नुकसान झेलना पड़ा था। अब दोबारा से सीमा बंद कर देने पर उन्हें फिर भारी नुकसान हो रहा है। उन्हें हर दिन तकरीबन करोड़ों का नुकसान हो रहा है।

रवींद्र सिंह यादव का कहना है कि सिंघु, टीकरी, गाजीपुर, औचंदी, मुकरबा, आया नगर, महरौली-बदरपुर, अप्सरा व भोपुरा आदि दर्जनों सीमाओं पर पिछले छह दिनों से हजारों की संख्या में पुलिस व अर्द्ध सैनिक बलों के जवान तैनात हैं। उनके रहने, खाने आदि सभी तरह के बंदोबस्त में भी हर दिन लाखों रुपये खर्च हो रहे हैं।

पुलिस विभाग को अपने कर्मियों के खाने आदि का बंदोबस्त करना पड़ रहा है। उसी तरह सभी अर्द्ध सैनिक बल भी अपने-अपने कर्मियों के लिए खर्चा उठा रहा है। पुलिस विभाग अगर अर्द्ध सैनिक बलों को खाने का सामान मुहैया कराता है तब अर्द्ध सैनिक बलों से पैसा लेता है।

पुलिस अधिकारी का कहना है कि छह दिनों से दिन रात सीमाओं पर पहरा देने वाले पुलिसकर्मियों के अलावा अर्द्ध सैनिक बलों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दिल्ली पुलिस का पूरा तंत्र कई दिनों सीमाओं के बंदोबस्त में ही लगा हुआ है।

हाल के दिनों में केंद्र शासित प्रदेशों व अन्य जगहों से वापस दिल्ली पुलिस में लौटे आईपीएस अधिकारियों को भी सीमाओं के सुपरविजन में लगा दिया गया है। उभी उन्हें कोई पद नहीं दिया गया है। हाल के दिनों में जिन अधिकारियों के दिल्ली से बाहर के लिए तबादले कर दिए गए थे, उन्हें अभी दिल्ली पुलिस से जानबूझ कर रिलीव नहीं किया गया है।

शंभू बॉर्डर पर दो दिनों से किसानों द्वारा कोई उपद्रव न करने से ऐसा माना जा रहा है, अब उन्हें दिल्ली की सीमाओं तक पहुंचना मुश्किल है। सरकार से किसानों के अलग-अलग गुटों की वार्ता जारी है। भाकियू व टिकैट गुट अभी किसानों को समर्थन देने पर विचार कर रहा है।

पुलिस अधिकारी का कहना है कि रविवार को सरकार से होने वाली बातचीत पर उनकी नजर है। सीमाओं से चौकसी अभी नहीं हटाई जाएगी। सिंघु व कुछ बड़े सीमाओं को अभी बंद ही रखा जाएगा। इससे लोगों को आसपास के दूसरे रास्ते से दिल्ली आना जाना पड़ता है। इससे लोगों का समय बर्बाद हो रहा है उन्हें परेशानी हो रही है।

प्याज-टमाटर के बाद मुंह चिढ़ा रहा लहसुन, 500 के पार पहुंचे दाम; कब तक मिलेगी राहत?

लहसुन के दाम (Lahsun Rate) में इस तेजी के चलते गृहणियों के साथ ही रेस्तरां संचालकों ने भी लहसुन के उपयोग में कटौती की है। पिछले कुछ माह से लहसुन की मांग और आपूर्ति में अंतर बनी हुई है। इसके चलते दाम में तेजी है। शनिवार को थोक मंडी में 220 से 250 रुपये है तो खुदरा बाजार में यह 500 रुपये में बिका।

नई दिल्ली। प्याज व टमाटर के बाद अब लहसुन मुंह चिढ़ा रहा है। राष्ट्रीय राजधानी में खुदरा बाजार में यह 500 रुपये के भी पार चला गया है। इसके कुछ दिन इसी दर के आसपास बने रहने की आशंका है। आजादपुर मंडी के आढ़तियों के अनुसार मार्च के आरंभ तक मंडियों में नई फसल आनी आरंभ हो जाएगी, उसके बाद दाम में गिरावट आएगी।

किन राज्यों में होता है लहसुन का उत्पादन?

दिल्ली में गुजरात, मध्य प्रदेश व गुजरात से मुख्य तौर से लहसुन आती है, इसी तरह पंजाब, उत्तर प्रदेश व कश्मीर की लहसुन का भी कुछ हिस्सा होता है। पिछले कुछ माह से लहसुन की मांग और आपूर्ति में अंतर बनी हुई है।

इसके चलते दाम में तेजी है। शनिवार को थोक मंडी में 220 से 250 रुपये है तो खुदरा बाजार में यह 500 रुपये में बिका। जबकि हिमाचल की अच्छी गुणवत्ता वाली लहसुन की कीमत (Garlic Price) 600 रुपये किलो तक में है।

रेस्तरां संचालकों ने की लहसुन के उपयोग में कटौती

लहसुन के दाम में इस तेजी के चलते गृहणियों के साथ ही रेस्तरां संचालकों ने भी लहसुन के उपयोग में कटौती की है। दरियागंज स्थित जायका रेस्तरां के संचालक दानिश इकबाल के अनुसार मुगलई व्यंजनों में लहसुन की प्रमुखता है।

उनके रेस्तरां में दो से तीन किलो लहसुन (Garlic Price) की खपत है। इस प्रकार रेस्तरां खर्च पर प्रतिदिन एक हजार रुपये का बोझ बढ़ गया है। एक गृहणी वंदना ने कहा कि, वह लहसुन काफी किफायत से ला रही हैं और उसका उपयोग कर रही हैं।

इन राज्यों में दो बार होती है लहसुर की फसल

आढ़तियों के अनुसार मध्य प्रदेश, राजस्थान और गुजरात जैसे राज्यों में लहसुर (Garlic Price) की फसल दो बार होती है।

मंगलवार को मानेसर क्षेत्र से दिल्ली कूच करेंगे किसान, इन मांगों को लेकर निकालेंगे पैदल मार्च

परिवहन विशेष न्यूज

इसे लेकर किसानों ने एक बैठक की। इसमें सभी किसानों ने निर्णय लिया है कि मंगलवार सुबह दस बजे मानेसर तहसील के सामने से पैदल कूच करेंगे। पैदल मार्च धरनास्थल से शुरू होकर प्रधानमंत्री आवास तक किया जाएगा। अगर बीच में पुलिस कहीं रोकने का प्रयास करेगी तो किसान वहीं बैठ जाएंगे। दक्षिण हरियाणा किसान खाप इस पैदल कूच को मजबूती के साथ करेगी।

मानेसर। किसानों की मांगों का समर्थन करने के लिए रविवार को मानेसर तहसील के सामने दक्षिण हरियाणा किसान खाप ने बैठक की। बैठक में किसानों ने निर्णय लिया कि मंगलवार को मानेसर क्षेत्र से किसान दिल्ली के लिए पैदल कूच करेंगे।

दक्षिण हरियाणा किसान खाप के अध्यक्ष रोहताश यादव ने बताया कि किसान फसलों पर एमएसपी देने और भूमि अधिग्रहण कानून को रद्द करने की मांग कर रहे हैं। हमारे क्षेत्र में भूमि अधिग्रहण किया गया है। इसके विरोध में पूरे क्षेत्र के किसान आंदोलन कर रहे हैं। हम इन मांगों का समर्थन कर रहे हैं और इनके समर्थन में पैदल मार्च निकालेंगे।

रोकने पर वहीं बैठ जाएंगे किसान

बैठक में सभी किसानों ने निर्णय लिया है कि मंगलवार सुबह दस बजे मानेसर तहसील के सामने से पैदल कूच करेंगे। पैदल मार्च धरनास्थल से शुरू होकर प्रधानमंत्री आवास तक किया जाएगा। अगर बीच में पुलिस कहीं रोकने का प्रयास करेगी तो किसान वहीं बैठ जाएंगे।

दक्षिण हरियाणा किसान खाप इस पैदल कूच को मजबूती के साथ करेगी। इसके लिए रविवार को खाप के पदाधिकारियों की ड्यूटी भी लगा दी गई है। बैठक में पूरे क्षेत्र के किसान मौजूद रहे और नारेबाजी करते हुए किसानों की मांगों का समर्थन किया।

अहीर रेजिमेंट की मांग को लेकर 23 मार्च हो होगा बड़ा प्रदर्शन

उधर, सेना में अहीर रेजिमेंट की मांग को लेकर पिछले दो साल से लगातार धरने पर बैठे अहीर समाज के लोगों ने रविवार को धरनास्थल पर बैठक की। समाज के लोगों ने निर्णय लिया कि 23 मार्च को बलिदानी दिवस के अवसर पर बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा। पूरा समाज एकत्रित होकर सेना में रेजिमेंट की मांग को तेज करेगा। संयुक्त अहीर रेजिमेंट मोर्चा की तरफ से यह प्रदर्शन धरनास्थल पर ही किया जाएगा।

इस दिन आंदोलन को काफी संख्या में लोग एकत्रित होकर मजबूती देंगे। बैठक में मोर्चा के सदस्यों ने कहा कि सेना में अहीर रेजिमेंट की मांग को लेकर पिछले दो साल से लगातार धरना दिया जा रहा है। भूख हड़ताल भी की जा चुकी है। बड़े प्रदर्शन भी किए गए हैं।

सभी समाज का समर्थन मांग को मिला है। इसके बाद भी मांग पर सरकार कोई ध्यान नहीं दे रही है। ऐसे में 23 मार्च को समाज अपनी ताकत सरकार को दिखाएगा। 23 मार्च को होने वाले बड़े प्रदर्शन के लिए अभी से मोर्चा तैयारी करेगा। सभी गांवों में लोगों से संपर्क किया जाएगा। कमेटियां बनाकर अन्य जगह भी समाज के लोगों को सूचना दी जाएगी। अन्य समाजों के लोगों को भी समर्थन के लिए बुलाया जाएगा।

50-50 हजार रुपये लेकर शूटरों ने की थी सूरज मान की हत्या, विदेश भेजने और रोजगार का भी दिया था लालच

नोएडा पुलिस इस मामले में तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर चुकी है जबकि दिल्ली पुलिस द्वारा दो शूटर गिरफ्तार किए गए हैं। पुलिस को अभी तीसरे शूटर की तलाश है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक पीसीआर के दौरान शूटरों से तीसरे शूटर का नाम और पता भी पूछा जाएगा। घटना के बाद गठित टीमें तीसरे शूटर को पकड़ने में जुटी हैं।

नोएडा। कोतवाली सेक्टर-39 क्षेत्र में 19 जनवरी को गैंगवार की रंजिश में हुई एअर इंडिया के क्रू मेंबर सूरज मान की हत्या करने वाले दो शूटरों की आखिरकार नोएडा पुलिस को 48 घंटे की रिमांड मिल ही गई। दोनों को करीब 25 दिन पहले दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया था।

पूछताछ के दौरान शूटरों ने पुलिस को बताया कि हत्या की एवज में उन्हें 50-50 हजार रुपये मिले थे। इसके अलावा विदेश भेजने और रोजगार का लालच दिया गया था। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने 22 जनवरी की सुबह भजनपुरा के कुलदीप और बिजनौर के अब्दुल कादिर को मुठभेड़ के बाद सराय काले खां के पास से गिरफ्तार किया था।

दोनों ने लारेंस बिश्नोई-जितेंद्र उर्फ गोगी व कपिल उर्फ कल्लू खेड़ा व नीरज बवाना-प्रवेश मान गिरोह के बीच लंबी प्रतिद्वंद्विता के कारण सूरज मान की हत्या की थी। सूरज मान, गैंगस्टर प्रवेश मान का भाई था, जो दिल्ली में मकोका के एक मामले में तिहाड़ जेल में बंद है और नीरज बवाना गिरोह का प्रमुख सदस्य है।

दोनों शूटरों को पुलिस कस्टडी रिमांड पर लेने के लिए नोएडा पुलिस पिछले कई दिन से प्रयास कर रही थी। 14 दिन की रिमांड मांगी, लेकिन मिली सिर्फ 48 घंटे की, जो शनिवार सुबह नौ बजे से शुरू हुई।

दोनों शूटरों ने नोएडा पुलिस को बताया कि हत्या के पहले एक व्यक्ति ने सिग्नल एप पर राधे-राधे नाम की आइडी से बात की और गैंगस्टर प्रवेश मान के भाई की हत्या के लिए तीनों शूटरों को 50-50 हजार रुपये दिए गए थे। दोनों को विदेश भेजने और व्यापार कराने का लालच भी दिया था। पुलिस जल्द ही गैंगस्टर कपिल मान को भी रिमांड पर लाएगी।

तीसरा शूटर पकड़ना पुलिस की चुनौती

बता दें कि नोएडा पुलिस इस मामले में तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर चुकी है, जबकि दिल्ली पुलिस द्वारा दो शूटर गिरफ्तार किए गए हैं। पुलिस को अभी तीसरे शूटर की तलाश है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, पीसीआर के दौरान शूटरों से तीसरे शूटर का नाम और पता भी पूछा जाएगा।

घटना के बाद गठित टीमें तीसरे शूटर को पकड़ने में जुटी हैं। वहीं बताया जा रहा है कि दोनों शूटर बैसाखी का इस्तेमाल कर रहे हैं। क्योंकि दोनों दिल्ली पुलिस से हुई मुठभेड़ में गोली लगने से घायल हो गए थे। दोनों शूटर सोमवार सुबह नौ बजे तक पीसीआर पर रहेंगे।

यूट्यूबर एल्विश यादव ने दी चुनौती, कहा- आरोप साबित हुए तो मैं नाचूंगा

सर्पविष तस्करी प्रकरण में सांपों के जहर की फॉरेंसिक जांच रिपोर्ट सामने आने पर आरोपित एल्विश यादव ने एक बार फिर वीडियो जारी कर आरोप साबित करने की चुनौती दी है। एल्विश ने कहा है कि यदि पुलिस ने आरोप साबित कर दिए तो वह नाचेगा। वहीं सांपों के जहर की फॉरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद पुलिस अधिकारी जांच की बात कहकर कुछ भी कहने से बच रहे है।

नोएडा। सर्पविष तस्करी प्रकरण में सांपों के जहर की फारेंसिक जांच रिपोर्ट सामने आने पर आरोपित एल्विश यादव ने एक बार फिर वीडियो जारी कर आरोप साबित करने की चुनौती दी है। कहा है कि यदि पुलिस ने आरोप साबित कर दिए तो वह नाचेगा।

सांपों के जहर की फॉरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद पुलिस अधिकारी जांच की बात कहकर कुछ भी कहने से बच रहे है। वहीं दूसरी तरफ यू-ट्यूबर एल्विश यादव ने शनिवार को एक वीडियो जारी किया। वीडियो में एल्विश का कहना है पुलिस उसके रेव पार्टी में होने की बात साबित करे।

पुलिस ने मेरे पर आरोप साबित कर दिया तो मैं नाचूंगा- एल्विश

सपेरे रोड से पकड़ लिए और आरोप लगाया कि मैं नोएडा की रेव पार्टी में था। अगर पुलिस ने मेरे पर आरोप साबित कर दिया तो मैं नाचूंगा। यूट्यूब पर 13 मिनट 34 सेकेंड के इस वीडियो में आठ दस लोग एक साथ कमरे में बैठे हुए हैं।

एल्विश ने आगे कहा कि इस मामले में फिर से खबर चलाई जा रही है कि लैब में सांपों के जहर की रिपोर्ट पाजिटिव आई है। सांपों के जहर को लैब में टेस्ट कराओगे तो सांप का ही जहर आएगा। मैं तो नोएडा की रेव पार्टी में तो था ही नहीं, उस वक्त तो मैं मुंबई में था। परिवार के लोग बोले थे कि इस मामले में ज्यादा मत बोलो, लेकिन अब मैं बोलूंगा।

पुलिस से नहीं कोई दिक्कत

पुलिस से कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन झूठे आरोप से परेशानी है। बता दें कि दो नवंबर को पीपुल्स फॉर एनीमल संस्था के सदस्य द्वारा एल्विश यादव समेत छह लोगों के खिलाफ कोतवाली सेक्टर-49 में मुकदमा दर्ज कराया था।

ग्रेटर नोएडा में पुलिस भर्ती परीक्षा में नदारद रहने वाले 15 शिक्षकों पर कार्रवाई, रोकी गई सैलरी

UP Police Exam जनपद के 32 केंद्रों पर दो पालियों में आयोजित हुई पुलिस भर्ती परीक्षा में नदारद रहने वाले 15 शिक्षकों का वेतन बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पंवार ने अग्रिम आदेश तक रोक दिया है। बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पंवार ने बताया कि परिषदीय स्कूल के शिक्षकों की ड्यूटी परीक्षक एवं सहायक परीक्षकों के पदों पर लगाई गई थी।

ग्रेटर नोएडा। जनपद के 32 केंद्रों पर दो पालियों में आयोजित हुई पुलिस भर्ती परीक्षा में नदारद रहने वाले 15 शिक्षकों का वेतन बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पंवार ने अग्रिम आदेश तक रोक दिया है। बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पंवार ने बताया कि परिषदीय स्कूल के शिक्षकों की ड्यूटी परीक्षक एवं सहायक परीक्षकों के पदों पर लगाई गई थी। शिक्षकों को परीक्षा केंद्रों पर समय से उपस्थित होने हेतु निर्देश दिए गए थे, लेकिन शिक्षक केंद्रों पर नहीं पहुंचे और न ही उनकी ओर से परीक्षा में अपनी आख्या संबंधित केंद्र पर प्रस्तुत नहीं की गई, जिस कारण परीक्षा को सफल आयोजित कराने में परेशानियों का सामना करना पडा।

शिक्षकों की ओर से सरकारी आचरण नियमावली का उल्लंघन किया गया है। अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) गौतमबुद्धनगर द्वारा दिये गए निर्देशों के अनुसार, शिक्षकों का वेतन तत्काल प्रभाव से अग्रिम आदेशों तक रोक दिया गया है।

इन शिक्षकों को रोका गया वेतन

बिसरख ब्लॉक के कंपोजिट स्कूल कनावनी की सुनीता देवी, ऊषा वर्मा, गीतिका श्रीवास्तव, तरूनुम निशा, कंपोजिट स्कूल बहलोलपुर की साधना सिंह, रमा वर्मा, प्राथमिक स्कूल चोटपुर की सरोज, प्रियंका राय, नमिता सिंह, कंपोजिट स्कूल छिजारसी की ममता राजपूत, नलिनी वर्मा, सुनीता गौड, कंपोजिट स्कूल नयाबास की चंचल भाटिया, कंचन वर्मा और कंपोजिट स्कूल होशियारपुर की सारिका का वेतन रोक दिया गया है।

पुणे से चोरी किए लैपटॉप बेच रहे तीन आरोपी गिरफ्तार, 20 दिन पहले दिया था वारदात को अंजाम

मानेसर क्राइम ब्रांच की टीम ने बताया कि उन्हें सूचना मिली नरसिंहपुर गांव के पास क्रेटा कर में कुछ लोग चोरी किए हुए लैपटॉप बेचने की फिराक में खड़े हुए हैं। इस सूचना पर क्राइम ब्रांच और सेक्टर 37 थाना पुलिस ने जांच शुरू की। इसी दौरान एक क्रेटा कार खड़ी मिली। इसमें से तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया गया।

गुरुग्राम। महाराष्ट्र के पुणे से चोरी किए लैपटॉप को बेचते हुए तीन आरोपितों को शनिवार रात मानेसर क्राइम ब्रांच और सेक्टर 37 थाना पुलिस ने नरसिंहपुर से गिरफ्तार कर लिया। इनकी पहचान कर्मवीर, अभिषेक और अतुल के रूप में हुई है। तीनों अलीगढ़ के अतरौली के रहने वाले हैं। मानेसर क्राइम ब्रांच की टीम ने बताया कि उन्हें सूचना मिली नरसिंहपुर गांव के पास क्रेटा कर में कुछ लोग चोरी किए हुए लैपटॉप बेचने की फिराक में खड़े हुए हैं।

इस सूचना पर क्राइम ब्रांच और सेक्टर 37 थाना पुलिस ने जांच शुरू की। इसी दौरान एक क्रेटा कार खड़ी मिली। इसमें से तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। तीनों ने पूछताछ में बताया कि उन्होंने 20 दिन पहले पुणे की एक दुकान से 15 लैपटॉप चोरी किए थे। एक ग्राहक से बातचीत हुई थी इसीलिए वह यहां पर इसका सौदा करने के लिए खड़े थे। पुलिस ने उनके पास से 15 लैपटॉप बरामद कर सेक्टर 37 थाने में एफआईआर दर्ज कराई है।

अभ्यर्थियों को नंगे पैर दिलाई परीक्षा, एक संदिग्ध युवक को पकड़ा

सेंटर पर पहुंचे अभ्यर्थियों को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था से होकर गुजरना पड़ा। जूते पहनकर पहुंचे अभ्यर्थियों के जूते बाहर ही उतरवा लिए गए। वहीं ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित रामाज्ञा स्कूल में एक संदिग्ध युवक को पकड़ा गया। उसका एडमिट कार्ड में नाम अब्दुल हमीद हैलेकिन उसने हस्ताक्षर हनीफ नाम से किए। नोडल प्रभारी विनय कुमार झा ने बताया कि उसे अभी बैठाया गया है।

ग्रेटर नोएडा। जनपद के 32 केंद्रों पर पहली पाली में आयोजित हुई पुलिस भर्ती परीक्षा में 14249 अभ्यर्थी उपस्थित रहे। जबकि 1543 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। सेंटर पर पहुंचे अभ्यर्थियों को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था से होकर गुजरना पड़ा। जूते पहनकर पहुंचे अभ्यर्थियों के जूते बाहर ही उतरवा लिए गए। वहीं ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित रामाज्ञा स्कूल में एक संदिग्ध युवक को पकड़ा गया। उसका एडमिट कार्ड में नाम अब्दुल हमीद है,लेकिन उसने हस्ताक्षर हनीफ नाम से किए। नोडल प्रभारी विनय कुमार झा ने बताया कि उसे अभी बैठाया गया है। अब तक की जांच में उसका बायोमैट्रिक सही मिला है। वहीं अभ्यर्थियों ने बताया कि सामान्य ज्ञान के प्रश्न हाल ही के समसामयिक मुद्दों पर रहे। हर केंद्र पर कोई गड़बड़ी न हो इसके लिए काफी पुलिस बल मौजूद रहा।

पुलिस भर्ती परीक्षा: अभ्यर्थियों की उतवाई बेल्ट, रुमाल कराया जमा

इससे पहले शनिवार को जनपद के 32 केंद्रों पर यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा दो पालियों में आयोजित हुई। पहली पाली सुबह 10 से 12 बजे तक हुई। वहीं दूसरी पाली दोपहर तीन से पांच बजे तक आयोजित कराई गई। दोनों पालियों में 29662 अभ्यर्थी उपस्थित रहे। जबकि 1922 अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी।

उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन ने पांच एजेंसियों को दी है जिम्मेदारी, समय से बिल जमा होने से जुर्माना व समय की होगी बचत

घर बैठे जमा होगा बिजली का बिल, 11 लाख उपभोक्ताओं को मिलेगी राहत

परिवहन विशेष न्यूज

अभी तक बिजली बिल जमा करने के लिए उपभोक्ताओं को विद्युत निगम के बिल काउंटर की लाइन में खड़ा होना पड़ता है। घंटों लाइन में लगने के बाद भी कई बार बिजली बिल जमा नहीं हो पाता। इससे उन्हें वापस लौटना पड़ता है। उपभोक्ता बिल जमा करने के लिए अपने कार्यालय या कंपनी से छुट्टी लेकर बिल जमा करने भी जाते हैं।

साहिबाबाद। उपभोक्ताओं को बिजली बिल जमा करने के लिए अब विद्युत निगम के कार्यालयों व जनसुविधा केंद्रों पर भटकना नहीं पड़ेगा। वह बैठे बिजली बिल जमा कर सकेंगे। समय से बिल जमा होने से जुर्माना व समय की बचत होगी। इससे जिले के करीब 11 लाख उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी। पावर कारपोरेशन ने इसके लिए पांच एजेंसियों से अनुबंध किया है।

सर्वर डाउन होने की समस्या से राहत

अभी तक बिजली बिल जमा करने के लिए उपभोक्ताओं को विद्युत निगम के बिल काउंटर की लाइन में खड़ा होना पड़ता है। घंटों लाइन में लगने के बाद भी कई बार बिजली बिल जमा नहीं हो पाता। इससे उन्हें वापस लौटना पड़ता है। उपभोक्ता बिल जमा करने के लिए अपने कार्यालय या कंपनी से छुट्टी लेकर बिल जमा करने भी जाते हैं। वहां जाकर पता चलता है कि सर्वर डाउन होने के कारण बिल जमा नहीं हो रहा है।

अब उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन ने उपभोक्ताओं को इन समस्याओं से राहत देने की तैयारी कर ली है। उपभोक्ता घर बैठे बिजली बिल जमा कर सकेंगे। इसके लिए पांच एजेंसियों को जिम्मेदारी दी गई है। एजेंसियों के कर्मी घर-घर जाएंगे व बिल जमा करेंगे।

उपभोक्ता ऑनलाइन या कैश दोनों ही तरीके से बिजली बिल जमा कर सकेगा। विद्युत निगम के अधिकारियों का कहना है कि इससे उन उपभोक्ताओं को सबसे ज्यादा राहत मिलेगी जो काम या स्वास्थ्य खराब होने के चलते बिल जमा नहीं कर पाते। बाद में उन्हें पेनल्टी के साथ बिल जमा करना पड़ता है।

इन पांच एजेंसियों के साथ किया अनुबंध

अभी तक केवल जनसुविधा केंद्रों पर ही बिल जमा हो सकता था। अब पांच नई बिलिंग एजेंसी वयम टेक्नोलाजी लिमिटेड, सहज रिटेल लिमिटेड, रानापेय इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, बीएलएस इंटरनेशनल सर्विसेस लिमिटेड व सरल ई-कोमर्स के साथ अनुबंध किया गया है।

विद्युत निगम के अधिकारियों का कहना है कि इन एजेंसियों के कर्मी ग्राम स्तरीय उद्यमी के माध्यम से उपभोक्ताओं से सीधा संपर्क करेंगी। इससे राजस्व में वृद्धि के साथ डिजिटल विभाजन (ग्रामीण-शहरी) कम होगा। ग्रामीण समुदायों का सशक्तिकरण होगा।

रुपये होने पर घर बैठे बुला सकेंगे एजेंसी कर्मी को

उपभोक्ता अपनी कंज्यूमर अकाउंट आइडी से एजेंसी के किसी भी प्रतिनिधि से संपर्क कर बिजली बिल का भुगतान कर सकेंगे। कई बार उपभोक्ता के पास बिल जमा करने के लिए पैसे नहीं होते इससे वह पैसे होने पर भी कर्मी को बिल जमा करने के लिए बुला सकेंगा।

इससे न केवल उपभोक्ता घर बैठे बिजली के बिल का भुगतान करने का लाभ उठा सकेंगे बल्कि उपभोक्ताओं के समय व धन की भी बचत होगी। एजेंसी ई-वालेट के माध्यम से विद्युत बिलों का कलेक्शन का कार्य करेंगी। कर्मी परिचय पत्र व यूनिफार्म पहनकर ही उपभोक्ता के पास पहुंचेंगे।

जिले में कुल कनेक्शन

श्रेणी	
घरेलू	9,26,575
वाणिज्यिक	1,05,242
नलकूप	9,352
औद्योगिक	1,945

उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन ने पांच एजेंसियों से अनुबंध किया है। इन एजेंसियों के कर्मी घर-घर जाकर उपभोक्ताओं के बिजली बिल जमा करेंगे। इससे उपभोक्ताओं के समय के साथ धन भी बचेगा।

-अजय ओझा, मुख्य अभियंता, विद्युत निगम गाजियाबाद जोन-तीन

असम पुलिस में सब इंस्पेक्टर की गुरुग्राम में सड़क हादसे में मौत, एक अस्पताल में भर्ती

असम पुलिस में सब इंस्पेक्टर 36 वर्षीय अमित सिन्हा की गुरुग्राम में सड़क हादसे में मौत हो गई। घटना शनिवार सुबह चार बजे की है। वह अपने वकील दोस्त के साथ खाना खाकर सेक्टर 50 स्थित उनके जा रहे थे। इसी दौरान गोल्फ कोर्स रोड पर एक अज्ञात वाहन ने उनकी कार में टक्कर मार दी। कार डिवाइडर से टकराते हुए पलट गई।

गुरुग्राम। असम पुलिस में सब इंस्पेक्टर 36 वर्षीय अमित सिन्हा की गुरुग्राम में सड़क हादसे में मौत हो गई। घटना शनिवार सुबह चार बजे की है। वह अपने वकील दोस्त के साथ खाना खाकर सेक्टर 50 स्थित उनके जा रहे थे। इसी दौरान गोल्फ कोर्स रोड पर एक अज्ञात वाहन ने उनकी कार में टक्कर मार दी। कार डिवाइडर से टकराते हुए पलट गई। सेक्टर 53 थाना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार असम के गुवाहाटी के रहने वाले अमित सिन्हा असम पुलिस में सब इंस्पेक्टर थे। वह अपने दोस्त 40 वर्षीय दिग्विजय से मिलने के लिए दो दिन पहले गुरुग्राम आए थे। दिग्विजय मूलरूप से फरीदाबाद के सेक्टर 10 के रहने वाले हैं और यहां गुरुग्राम के सेक्टर 50 में रहकर वकालत करते हैं। शनिवार सुबह चार बजे दोनों सेक्टर 58 स्थित एक रेस्टोरेंट में खाना खाने के बाद मर्सिडीज बेंज कार से सेक्टर 50 स्थित दिग्विजय के घर जा रहे थे।

दिग्विजय का चल रहा है इलाज

सेक्टर 53 थाना क्षेत्र में गोल्फ कोर्स रोड पर सनार इंटरनेशनल अस्पताल के पास पीछे से आए अज्ञात वाहन की टक्कर से मर्सिडीज बेंज अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। कार दस फीट उछलते हुए डिवाइडर के बीच में लगे पोल से टकराकर पलट गई। हादसे में अमित सिन्हा और दिग्विजय दोनों को गंभीर चोटें आईं। आसपास के लोगों ने दोनों को पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। यहां इलाज के दौरान अमित की मौत हो गई।

सड़क पर क्यों भटक रहे गोवंश

अक्षय शुक्ला

घर की बालकनी में बैठकर अखबार पढ़ते वक्त रोज़ सुबह एक दृश्य दिखाई देता है। सड़क किनारे बैठे गाय के झुंड के पास हर थोड़ी देर में एक कार या दोपहिया आकर रुकता है। हाथ में पॉलिथीन लिए लोग उतरते हैं, उसमें से बची हुई रोटियां, ब्रेड या खाने का अन्य सामान निकालकर गाय को देते हैं और खाली पन्नी वहीं फेंककर निकल जाते हैं। इनमें से कुछ लोग तो पन्नियों से खाना निकालने की भी ज़हमत नहीं उठाते, पूरा पैकेट ही वहां रखकर चल देते हैं। गाय उस पॉलिथीन की थैली समेत ही अंदर का सामान निगल जाती हैं। बल्कि बगल में फेंकी हुई पन्नियों में बचा खुचा कुछ मिलने की आस में उन्हें भी निगल लेती हैं।

गोमाता को अन्न देकर पुण्य कमाने की आस रखने वाले ये लोग सड़क किनारे गंदगी और प्रदूषण तो बढ़ा ही रहे, साथ ही इन मवेशियों की सेहत के साथ भी बड़ा खिलवाड़ कर रहे हैं। खाना देने के बाद लोग पॉलिथीन अपने साथ ही ले जा सकते हैं और कहीं कूड़ेदान में डाल सकते हैं। लेकिन यह सिविक सेंस आज भी बहुत कम लोगों में दिखता है।

अभी चार दिन पहले ही फरीदाबाद से आई एक खबर से तो ऐसे लोगों की आंखें खुल जानी चाहिए। वहां एक गाय के पेट से 31 किलो कचरा निकला। इस गाय को सड़क पर कराहते देख एक संस्था पशु चिकित्सक के पास ले गई। उसका पेट फूला हुआ था और दर्द से बेहाल थी। सर्जरी के दौरान गाय के पेट से ढेर सारा प्लास्टिक, कीलें, स्क्रू, नट बोल्ट, सिक्के और पत्थर निकले। ये इंसानों का ही फेंका हुआ कचरा था, जिससे इस बेजुबान की जान पर बन आई। इस गाय की जान तो बचा ली गई लेकिन तीन साल पहले इसी शहर में ऐसे ही हाल में मिली एक गर्भवती गाय इतनी भाग्यशाली नहीं थी। उसके पेट से 70 किलो से अधिक प्लास्टिक और लोहे का कचरा निकला था।

कुछ साल पहले गुजरात के अहमदाबाद में भी एक गाय के पेट से सौ किलो से अधिक कचरा निकला था। वह गाय भी गर्भवती थी और उसकी भी जान नहीं बचाई जा सकी थी। अलग-अलग राज्यों से इस तरह की खबरें हर थोड़े दिन में आती रहती हैं।

खुले में घूमते मवेशियों के साथ ऐसे हादसों से सवाल उठता है कि आखिर देश के हर शहर में, हर सड़क पर इतने आवारा पशु क्यों हैं? जब अनेक राज्यों में गायों के संरक्षण और कल्याण के लिए गोसेवा आयोग हैं और दुर्बल, अनउत्पादक, बूढ़े या छोड़ दिए गए मवेशियों को प्रश्रय देने के लिए सैकड़ों गोशालाएं बनाई गई हैं, उसके

बावजूद छुट्टा पशुओं की यह समस्या कम होने के बजाय बढ़ती क्यों जा रही है? जबकि इन्हें अच्छी खासी सरकारी मदद मिलती है। और इनका काम है कि कोई भी गोवंश सड़क पर भटकता न मिले।

दरअसल, जैसे ही कोई गाय दूध देना बंद कर देती है या कोई सांड काम का नहीं रहता, इनके मालिक इनसे छुटकारा पा लेते हैं। पेट भरने के लिए ये मवेशी इधर-उधर भटककर खाना ढूंढते रहते हैं। इनका मुख्य भोजन तो चारा, घास, फलियां और हरे पत्ते हैं लेकिन सड़क पर तो जो मिला, वही खा लेते हैं। वहीं से इनके पेट में हर तरह का कचरा पहुंच जाता है।

मेन रोड से लेकर गलियों तक में घूमते ये मवेशी कई बार खतरनाक भी हो जाते हैं। बीच सड़क पर सांडों की झड़प की खबरें आए-दिन आती रहती हैं। इनकी चपेट में आकर कितने ही राहगीर अपनी जान गंवा चुके हैं।

दो साल पहले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में तो छुट्टा जानवर एक बड़ा मुद्दा बन गए थे। बुंदेलखंड समेत कई जगह इनसे फसलों को नुकसान पहुंचने की शिकायतें लगातार आ रही थीं। किसानों को रात-रात भर जागकर खेतों की रखवाली करनी पड़ रही थी। विपक्ष, खासकर समाजवादी पार्टी तो इस मुद्दे पर सरकार को आज भी घेरती रहती है।

यूपी सरकार ने सीएम खेत सुरक्षा योजना शुरू करने के साथ ही पिछले साल के अंत में सड़कों को आवारा पशु मुक्त करने का अभियान भी चलाया। किसी भी सड़क या खेत में आवारा पशु मिलने पर ज़िलाधिकारियों की जवाबदेही तय कर दी गई। लेकिन इसका बहुत असर ज़मीन पर नहीं दिख रहा। समस्या की जड़ में जाए बगैर ऐसी कोशिशों का कोई फायदा होगा भी नहीं।

जनवरी 2024 में बिक्री के मामले में इन मिड साइज SUVs का रहा दबदबा, स्कॉर्पियो की सेल में हुई अच्छी वृद्धि

जनवरी 2024 में बिक्री के मामले में मिड साइज एसयूवी का दबदबा रहा है। पिछले महीने महिंद्रा स्कॉर्पियो और टाटा की कुछ गाड़ियों की जमकर खरीदारी की गई है। जनवरी 2023 में टाटा सफारी की 1032 यूनिट ही बिकी थीं। लेकिन जनवरी 2024 में 2893 यूनिट्स की बिक्री हुई है। यहां इन्हीं आंकड़ों के बारे में जानकारी देने वाले हैं। आइए इनके बारे में जान लेते हैं।

मिड साइज एसयूवी सेगमेंट के प्रति ग्राहकों में अलग ही स्तर की लोकप्रियता है। यही वजह है कि इस सेगमेंट में आने वाली गाड़ियों की बिक्री भी अन्य की तुलना में अधिक रहती है। यहां जनवरी 2024 बिक्री के कुछ आंकड़े लेकर आए हैं। जिससे आपको पता चलेगा कि पिछले महीने किन मिड साइज एसयूवी को सबसे ज्यादा खरीदा गया है।

महिंद्रा स्कॉर्पियो की सेल में वृद्धि

महिंद्रा स्कॉर्पियो की सेल में अच्छी वृद्धि दर्ज की गई है। जनवरी 2024 में इस गाड़ी की 14,293 यूनिट बिकी हैं जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान यह आंकड़ा 8,715 था। इस हिसाब से देखा जाए तो निर्माता ने बिक्री के मामले में 45.74 प्रतिशत की शानदार ग्रोथ दर्ज की है।

महिंद्रा XUV700 भी बिक्री के मामले में अच्छी ग्रोथ प्राप्त करने में सफल रही है। इसकी बिक्री यूनिट पिछले साल जनवरी माह में 5,787 थीं। लेकिन इस बार XUV700 की 7,206 यूनिट्स की बिक्री हुई है।

Tata की इन गाड़ियों की स्थिति

जनवरी 2023 में टाटा सफारी की 1032 यूनिट ही बिकी थीं। लेकिन जनवरी 2024 में 2893 यूनिट्स की बिक्री हुई है। कंपनी ने 9.26 प्रतिशत ग्रोथ हासिल की है। वहीं कंपनी की हैरियर 1,572 यूनिट्स से बिक्री के मामले में 2,626 यूनिट्स पर पहुंच गई है।

Hyundai Alcazar

Hyundai Alcazar की बिक्री में भी वृद्धि दर्ज की गई है। पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान 1537 यूनिट्स की बेची गई थीं। लेकिन इस साल जनवरी महीने में 1827 यूनिट बेची गई हैं। भले ही ये प्रतिशत में कम वृद्धि है। लेकिन विगत वर्ष के मुकाबले बेहतर है।

स्कोडा कॉम्पैक्ट एसयूवी जल्द मार्केट में कर सकती है एंट्री, MQB-A0 प्लेटफॉर्म पर होगी आधारित

वाहन निर्माता स्कोडा ऑटो इन दिनों कई नए वाहनों पर काम कर रही है। फिलहाल Skoda Compact SUV के बारे में अपडेट है कि इसके बारे में 27 फरवरी 2024 को अधिक जानकारी निर्माता के द्वारा साझा की जाएगी। उम्मीद है कि इसे भारतीय बाजार में अगले साल लॉन्च किया जाएगा। आइए इसके बारे में अन्य डिटेल जान लेते हैं।

नई दिल्ली। वर्तमान समय में स्कोडा ऑटो भारतीय बाजार में मुख्य रूप से तीन गाड़ियां बेचती है। जिसमें स्लाविया सेडान, कुशाक मिड-साइज एसयूवी और कोडियाक फुल साइज एसयूवी शामिल हैं। वाहन निर्मता सेगमेंट में कुशाक और स्लाविया की सफलता के बाद कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में एक नई गाड़ी पेश करने की योजना बना रही है।

लॉन्च के बाद स्कोडा की कॉम्पैक्ट एसयूवी फैबिया के बाद इसका पहला सब-4-मीटर मॉडल होगा। आइए इसके बारे में जान लेते हैं।

कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में होगी लॉन्च

रिपोर्ट्स के मुताबिक स्कोडा ऑटो अपकमिंग गाड़ी के बारे में 27 फरवरी 2024 को अधिक जानकारी साझा करेगी। उम्मीद है कि यह कॉम्पैक्ट एसयूवी स्कोडा कुशाक का एक छोटा समकक्ष होगी। इस गाड़ी को भी MQB-A0 (IN) प्लेटफॉर्म पर तैयार किया जाएगा। जिसका उपयोग स्कोडा स्लाविया और फॉक्सवेगन समूह के अन्य मॉडल जैसे Virtus और ताइगुन के लिए किया जाता है।

इंजन और परफॉर्मेंस

कहा गया है कि कॉम्पैक्ट साइज एसयूवी में 1.0 लीटर TSI इंजन और 1.5 लीटर टीएसआई इंजन प्रदान किया जाएगा। यह 110 बीएचपी की शक्ति पैदा करने में सक्षम है। बता दें यह समान इंजन कुशाक और स्लाविया में दिया जाता है।

भारत लॉन्च को लेकर अपडेट

इस गाड़ी के भारतीय लॉन्च के बारे में बात करें तो उम्मीद है कि इसे मार्च 2025 में लॉन्च किया जाएगा। फॉक्सवैगन देश में एक कॉम्पैक्ट एसयूवी मॉडल भी पेश करेगी। इस गाड़ी के प्रतिद्वंदी की बात करें तो लॉन्च होने के बाद इसका मुकाबला टाटा नेक्सॉन, मारुति सुजुकी ब्रेजा और हुंडई वेन्यू जैसी गाड़ियों से होगा।

कार खरीदने के मामले में इस राज्य के लोग सबसे आगे, टू-व्हीलर सेगमेंट में ये स्टेट नंबर वन

पैसेंजर व्हीकल सेगमेंट में बिक्री के मामले में महाराष्ट्र का पहला स्थान रहा है। राज्य में पीवी बिक्री का प्रतिशत 11.96 है। वहीं कार खरीदने के मामले में 10.04 प्रतिशत के साथ यूपी दूसरे स्थान पर रहा है। जबकि डेटा के मुताबिक तीसरे स्थान पर गुजरात शामिल है। वहीं टू-व्हीलर खरीदने के मामले में यूपी के लोग सबसे आगे रहे हैं।

नई दिल्ली। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (SIAM) ने चालू वित्तीय वर्ष 2023-24 की अक्टूबर-दिसंबर की तीसरी तिमाही के लिए अपना यूटी/राज्य के अनुसार वाहन बिक्री डेटा जारी किया है। डेटा में सियाम ने फोरव्हीलर और टू-व्हीलर वाहनों के बिक्री के बारे में जानकारी दी है। आंकड़ों के मुताबिक इस अवधि के दौरान विभिन्न खंडों में कुल वाहन बिक्री में उत्तर प्रदेश सबसे आगे रहा है।

पैसेंजर व्हीकल सेगमेंट में बिक्री के मामले में महाराष्ट्र का पहला स्थान रहा है। राज्य में पीवी बिक्री का प्रतिशत 11.96 है। वहीं कार खरीदने के मामले में 10.04 प्रतिशत के साथ यूपी दूसरे स्थान पर रहा है। जबकि डेटा के मुताबिक तीसरे स्थान पर गुजरात शामिल है।

दोपहिया खरीदने में यूपी आगे

दोपहिया वाहन सेगमेंट में बिक्री में 14.35 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ उत्तर प्रदेश का दबदबा रहा है। महाराष्ट्र 10.98 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ दूसरे स्थान पर रहा, जबकि मध्य प्रदेश (एमपी) ने बाजार में 7.14 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ तीसरा स्थान हासिल किया है।

कॉमर्शियल श्रेणी में कौन आगे?

कॉमर्शियल श्रेणी में सबसे अधिक वाहन बिक्री की बात की जाए तो लिस्ट में एक बार महाराष्ट्र ने रुतबा कायम किया है। कॉमर्शियल श्रेणी के वाहन खरीदने के मामले में यहां लोग सबसे आगे रहे हैं। 13.24 प्रतिशत के साथ महाराष्ट्र पहले पर और 9.84 प्रतिशत के साथ यूपी दूसरे स्थान पर है।

दमदार इंजन और आकर्षक डिजाइन के साथ आती हैं ये बाइक, चेक करें अपने लिए बेस्ट

अगर आपका बजट 3 लाख या उससे कम है और नई बाइक लेने की प्लानिंग कर रहे रहे हैं तो हम आपके लिए कुछ ऐसी बेस्ट बाइक्स की लिस्ट लेकर आए हैं। जिनको आप खरीद सकते हैं। इनमें दमदार इंजन के साथ आकर्षक डिजाइन मिलता है। लिस्ट में यामाहा और सुजुकी सहित कई कंपनियों मोटरसाइकिल शामिल हैं। आइए इनके बारे में जानते हैं।

नई दिल्ली। स्पोर्ट्स बाइक युवाओं के बीच खूब लोकप्रिय हैं और यही वजह कि टू-व्हीलर निर्माता सेगमेंट में नई-नई बाइक पेश करती रहते हैं। अगर आप अपने लिए कोई ऐसी बाइक खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं जो पावरफुल इंजन के साथ आती हो तो हम यहां आपके लिए कुछ ऐसी ही बाइक्स की लिस्ट लेकर आए हैं। यहां स्पोर्ट्स बाइक्स के अलावा अन्य बाइक भी शामिल हैं।

यामाहा आर15 वी4 में 155 सीसी की क्षमता वाला इंजन प्रदान किया गया है। यह इंजन 10000 rpm पर 18.4 PS की शक्ति और 7500 rpm पर 14.2 एनएम का पीक टॉर्क पैदा करता है। इसमें दोनों ही साइड में डिस्क ब्रेक दिए गए हैं। बाइक में 11 लीटर कैपिसिटी वाला फ्यूल टैंक दिया गया है। इसकी कीमत 1.87 लाख एक्सशोरूम से शुरू होती है।

Suzuki Gixxer 250

यह बाइक स्पोर्टी डिजाइन और आकर्षक लुक के साथ पेश की जाती है। इसमें 249 सीसी का इंजन दिया गया है जिसकी क्षमता 26.16 बीएचपी की शक्ति और 22 एनएम का पीक टॉर्क उत्पन्न करने की है। इसकी कीमत 1.81 लाख रुपये एक्सशोरूम से शुरू होती है।

Honda CB350

348.66 सीसी के इंजन के साथ आने वाली इस बाइक को 5 स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है। यह इंजन 5500 rpm पर 20.7 bhp की शक्ति और 3000 rpm पर 29.4 एनएम का टॉर्क निकाल कर दे देता है। इसकी कीमत 2.38 लाख रुपये एक्सशोरूम से शुरू होती है।

Royal Enfiled Meteor

2.06 लाख रुपये की शुरुआती एक्शोरूम कीमत में आने वाली इस हैवी बाइक में 350 सीसी का सिंगल सिलेंडर इंजन प्रदान किया गया है। इंजन 20.2bhp की शक्ति और 27 Nm का टॉर्क निकालता है। बाइक को 4 वेरिएंट में पेश किया जाता है।

Bajaj Pulsar N160

164.82 cc के इंजन से लैस यह बाइक भी देखने में आकर्षक लगती है। इसका डिजाइन स्पोर्टी रखा गया है। इसका इंजन 15 बीएचपी की शक्ति और 14.65 एनएम का टॉर्क देने की क्षमता रखता है। कीमत की बात करें तो बाइक को 1.30 लाख रुपये की शुरुआती एक्सशोरूम कीमत पर लिया जा सकता है।

चुनावी चंदे के धंधे पर रोक लगा कर सुप्रीम कोर्ट ने लोकतंत्र को मजबूत किया है

रमेश सर्राफ धमोरा

याचिकाकर्ताओं एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) सहित अन्य ने केंद्र सरकार की चुनावी बॉन्ड योजना को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देते हुये इन सभी ने इस योजना को लागू करने के लिए फाइनेंस एक्ट 2017 और फाइनेंस एक्ट 2016 में किए गए कई संशोधन को गलत बताया था।

सुप्रीम कोर्ट ने एक बड़ा फैसला देते हुए राजनीतिक दलों के लिए चंदा जुटाने की पुरानी इलेक्टोरल बांड स्कीम को अवैध करार देते हुए इसके जरिए चंदा लेने पर तत्काल रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि इलेक्टोरल बांड की गोपनीयता बनाए रखना असंवैधानिक है। यह स्कीम सूचना के अधिकार का उल्लंघन करती है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के नेतृत्व में गठित पांच जजों की बेंच ने सर्वसम्मति से फैसला सुनाया है। बेंच में जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा शामिल हैं।

अपने फैसले में चीफ जस्टिस ने कहा है कि पॉलीटिकल प्रोसेस में राजनीतिक दल अहम यूनिट होते हैं। पॉलिटिकल फंडिंग की जानकारी वह प्रक्रिया है जिससे मतदाता को वोट डालने के लिए सही चॉइस मिलती है। वोटर्स को चुनावी फंडिंग के बारे में जानने का अधिकार है। जिससे मतदान के लिए सही चयन होता है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच जजों की बेंच ने तीन दिनों तक लगातार सुनवाई करने के बाद 2 नवंबर 2023 को इस मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

याचिकाकर्ताओं एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) सहित अन्य ने केंद्र सरकार की चुनावी बॉन्ड योजना को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देते हुये इन सभी ने इस योजना को लागू करने के लिए फाइनेंस एक्ट 2017 और फाइनेंस एक्ट 2016 में किए गए कई संशोधन को गलत बताया था।

याचिकाकर्ताओं का दावा है कि इससे राजनीतिक दलों को बिना जांच और टैक्स भरे फंडिंग मिल रही है। तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली ने 2017 के बजट में चुनावी इलेक्टोरल बांड स्कीम को पेश किया था। जिसे 2 जनवरी 2018 को केंद्र सरकार ने नोटिफाई किया था। इस योजना को उसी समय चुनौती दी गई थी। लेकिन सुनवाई 2019 में शुरू हुई। 12 अप्रैल 2019 को सुप्रीम कोर्ट ने सभी राजनीतिक दलों को निर्देश दिया था कि वह 30 मई 2019 तक एक लिफाफे में चुनावी बांड से जुड़ी सभी जानकारी चुनाव आयोग को दें। हालांकि कोर्ट ने उस समय इस योजना पर रोक नहीं लगाई थी।

बाद में दिसंबर 2019 में याचिकाकर्ता एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने इस योजना पर रोक लगाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में एक आवेदन दिया था। इसमें मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से बताया गया था कि किस तरह चुनावी बांड योजना पर चुनाव आयोग, रिजर्व बैंक की चिंताओं को केंद्र सरकार ने दरकिनार कर दिया था। इस पर चुनाव आयोग ने भी अपनी नकारात्मक राय दी थी। चुनाव आयोग का मानना था कि चंदा देने वालों के नाम गुमनाम रखने से पता लगाना संभव नहीं होगा कि राजनीतिक दल ने धारा 29(बी) का उल्लंघन कर चंदा लिया है या नहीं। विदेशी चंदा लेने वाला कानून भी बेकार हो जाएगा। वहीं भारतीय रिजर्व बैंक का मानना था कि इलेक्टोरल बांड मनी लॉन्ड्रिंग को बढ़ावा देगा। इसके जरिए ब्लैक मनी को व्हाइट करना संभव होगा। चुनाव आयोग व रिजर्व बैंक की आपत्ति के बाद सुप्रीम कोर्ट का फैसला अपने आप में ऐतिहासिक माना जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के पहले केंद्र सरकार ने 5 फरवरी को लोकसभा को बताया था कि भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के माध्यम से 30 किश्तों में 16,518 करोड़ रुपये के चुनावी बांड बेचे गए हैं। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी द्वारा लोकसभा में पूछे गए एक सवाल के जवाब में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा था कि भारतीय स्टेट बैंक से खरीदे गए चुनावी बांड (चरण 01 से चरण 30) का कुल मूल्य लगभग 16,518 करोड़ रुपये है। चौधरी ने कहा था कि केंद्र ने पहले 25 चरणों के लिए चुनावी बांड जारी करने और भुनाने के लिए एसबीआई को 8.57 करोड़ रुपये का कमीशन दिया है। इसके अलावा इसने अब तक सिक्योरिटी प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसपीएमसीआईएल) को 1.90 करोड़ रुपये का भुगतान किया है।

चौधरी ने बताया था कि केंद्र सरकार ने 2 जनवरी 2018 को चुनावी बॉन्ड योजना को अधिसूचित किया था। इसका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि स्वच्छ कर भुगतान किया गया पैसा उचित बैंकिंग चैनल के माध्यम से राजनीतिक फंडिंग की प्रणाली में आये। हालांकि दानदाताओं के नाम गुमनाम रहे और सूचना के अधिकार के दायरे से बाहर रहे। ये बांड विशेष रूप से राजनीतिक दलों को धन के योगदान के लिए जारी किए गए थे और इन्हें केवल भारतीय स्टेट बैंक की शाखाओं में ही खरीदा जा सकता था। इलेक्टोरल बॉन्ड से उसी पार्टी को चंदा लेने का अधिकार था जो जनप्रतिनिधित्व कानून-1951 रिपर्जेंटेशन आफ द पिपुल्स एक्ट की धारा 29 के तहत रजिस्टर्ड हो। जिसे लोकसभा या विधानसभा चुनाव में कम से कम 1 प्रतिशत वोट मिला हो।

भारत में चुनाव आयोग के समक्ष करीबन 1900 पार्टियाँ पंजीकृत हैं। इनमें सैंकड़ों ऐसी पार्टियाँ हैं जिन्होंने कभी चुनाव ही नहीं लड़ा है। इससे यह साफ हो जाता है कि कुछ तो गड़बड़ जरूर है। देश के पंजीकृत राजनीतिक दलों को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 13 ए के तहत आयकर से छूट मिलती है। उनके लिये दान या चंदा लेने की कोई अधिकतम सीमा तय नहीं है। उनको सिर्फ उस लेन-देन का ब्योरा चुनाव आयोग के समक्ष पेश करना होता है जो 20 हजार या उससे ज्यादा हो। इससे कम की रकम का कोई हिसाब उसे नहीं देना होता है। इसी का लाभ उठाकर तमाम राजनीतिक दलों पर कालेधन को सफेद करने और चुनावों में बेहिसाब कालाधन खर्च करने के आरोप लगते रहे हैं। यहीं कारण है कि सैंकड़ों दल चुनाव नहीं लड़ते लेकिन राजनैतिक दल के तौर पंजीकृत हैं।

इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम का सबसे अधिक फायदा केन्द्र में सत्तरूढ़ भाजपा व मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस को ही मिला है। चुनाव आयोग के अनुसार 2018-19 में भाजपा को 1450 करोड़ रुपये व कांग्रेस को 383 करोड़ रूपये का चंदा इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिये मिला था। वहीं 2019-20 में भाजपा को 2555 करोड़ रुपये व कांग्रेस को 318 करोड़ रुपये मिले थे। 2020-21 के कोरोना काल में भी भाजपा को 22.38 करोड़ व कांग्रेस को 10.07 करोड़ रुपये मिले थे। 2021-22 में भाजपा को 1032 करोड़ रुपये व कांग्रेस को 236 करोड़ रुपये चंदे में मिले। 2022-23 में भाजपा को 1300 करोड़ रुपये व कांग्रेस को 171 करोड़ रुपये चंदे में मिले। इस तरह 2018 से 2022 तक भाजपा को 6359.38 करोड़ रुपये व कांग्रेस को 1118.07 करोड़ रुपये मिले थे। पश्चिम बंगाल में सत्तारुढ़ तृणमूल कांग्रेस सहित अन्य क्षेत्रीय दलों को भी इस योजना में बड़ी मात्रा में चंदा मिला है। इलेक्टोरल बांड स्कीम से देश के सभी राजनीतिक दलों को चंदा मिला है। सभी दलों ने चंदे कि बहती गंगा में हाथ धोया है। अब यदि कोई राजनीतिक दल खुद को पाक साफ़ दिखने के लिए अन्य दलों पर कीचड़ उछाले तो वही बात होगी सौ चूहे खाकर बिल्ली हज करने चली।

चुनाव में पानी की तरह बेहिसाब पैसा बहाकर सत्ता में आनेवाला कोई भी राजनीतिक दल कभी लोक कल्याणकारी नीतियों को प्रोत्साहन देने वाला नहीं हो सकता है। अतः राजनैतिक दलों की वित्तीय अनियमितों को दूर करना आज वक्त की जरूरत बन चुकी है। हालांकि इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता है कि इस संबंध में अब तक जितने भी प्रयास हुए हैं नाकाफी ही साबित हुए हैं। इस दिशा में सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से राजनीति में चल रहे चंदे के गंदे धंधे पर रोक तो जरूर लगेगी जो राजनीतिक सुचिता की दिशा में एक नयी पहल होगी।

संपादक की कलम से

हर साल इस दिन सूर्यदेव खुद करेंगे श्रीराम का अभिषेक, दोपहर को दमकेगा प्रभु का मुख

अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर को बेहद भव्य तरीके से बनाया गया है। वहीं मंदिर में स्थापित श्रीराम की मूर्ति को खास तरीके से बनाया गया है। जानकारी के मुताबिक हर साल रामनवमी के मौके पर स्वयं सूर्यदेव श्रीराम का अभिषेक करेंगे।

अयोध्या नगरी में 22 जनवरी 2024 को भगवान श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम भव्य और धूमधाम से संपन्न हुआ। श्री राम के प्राण प्रतिष्ठा के लिए अयोध्या नगरी को त्रेतायुग की तर्ज पर सजाया गया। वहीं भगवान श्रीराम मंदिर को बेहद भव्य तरीके से बनाया गया है। मंदिर खुलने और प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम पूरा होने के बाद इस श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया है। इसके साथ ही मंदिर में स्थापित श्रीराम की मूर्ति को खास तरीके से बनाया गया है। जानकारी के मुताबिक हर साल रामनवमी के मौके पर स्वयं सूर्यदेव श्रीराम का अभिषेक करेंगे। प्राप्त जानकारी के मुताबिक रामलला के विग्रह की लंबाई और स्थापना स्थल की ऊंचाई का ध्यान अंतरिक्ष वैज्ञानिकों की सलाह पर बनाया गया है। जिसके चलते हर साल चैत्र शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि के लिए श्रीराम के मुख पर सूर्य देव की किरणें दोपहर 12:00 बजे पड़ेंगी।

मूर्तिकार योगीराज ने किया मूर्ति का चयन

भगवान श्री रामलला के 5 वर्षीय मूर्ति का चयन करने के बाद प्राण-प्रतिष्ठा का कार्यक्रम किया जा चुका है। मूर्तिकार योगीराज अरुण द्वारा प्रभु श्रीराम की मूर्ति बनाई गई है। यह मूर्ति श्याम वर्ण की और रामलला के विग्रह की ऊंचाई 51 इंच है। बाल स्वरूप भगवान श्रीराम के एक हाथ में धनुष और तीर और मुख पर सुंदर मुस्कान सुशोभित है।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा

काशी के विद्वान गणेश्वर शास्त्री द्रविड़ द्वारा 22 जनवरी 2024 को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का समय निकाला गया है। 22 जनवरी को अभिजीत मुहूर्त में प्राण प्रतिष्ठा की पूजा संपन्न की गई।

ज्ञान

सागर पार करने के लिए जो सेतु बना था, वह इतना पर्याप्त नहीं था कि उस पर संपूर्ण वानर सेना चल पाती

सुखी भारती

'तुम कुछ करो तो सही। मुझे अपनी कृपा करने के लिए कुछ आधार तो दो। फिर देखो मैं कैसे कृपा करता हूँ। सागर पार करने के लिए जो सेतु बना था, वह इतना पर्याप्त नहीं था, कि उस पर संपूर्ण वानर सेना चल कर पार कर जाती। वह सेतु उबड़ खाबड़ भी था, और संकरा भी था।

भगवान श्रीराम जी कितने दयालु हैं, इस बात का अनुमान, इसी बात से लगाया जा सकता है, कि वे क्रिया को नहीं, अपितु भाव को ही प्रधानता देते हैं। आप ने सेवा भक्ति में कोई नेम कर्म अथवा विधि विधान का पालन किया भी है, या नहीं, इसका बहुत बड़ा महत्व नहीं है। जैसे भक्त शबरी श्रीराम जी के समक्ष बैठ कर ही उन्हें जूठे बेर खिला रही हैं। लेकिन श्रीराम जी एक पल के लिए भी भक्त शबरी को यह नहीं कह रहे, कि 'हे शबरी! यह तुम कैसा महापाप कर रही हो। मैं भगवान हूँ! और मेरे सामने बैठ कर ही, जब तुम मुझे जूठे बेर खिलाने का दुस्साहस कर सकती हो, तो मेरी पीठ पीछे तुम क्या करती होगी?'

कारण बिलकुल स्पष्ट है, कि श्रीराम जी तो यह देख रहे हैं, कि मेरी आराधना करने वाली भक्त शबरी ने अपनी और से अथक प्रयास तो किया ही है। हाँ उस प्रयास में हो सकता है कि क्रिया कर्म का श्रेष्ठ स्तर न होकर, निम्न स्तर हो। लेकिन तब भी मैं उसके प्रयास का सम्मान करूँगा। फिर सबसे बड़ी बात यह है कि शबरी के प्रयास के पीछे भाव ही इतना श्रेष्ठ था कि क्रिया का महत्व ही नहीं रह जाता। मैं तो भाव का ही भूखा हूँ। मुझे भाव अगर प्रिय न होता, तो मैं निषादराज के यहाँ एक पेड़ के छत्र तले उसका अतिथ्य स्वीकार न करता।

श्रीराम जी से एक प्रश्नकर्ता ने प्रश्न किया, मान लीजिए कि कोई व्यक्ति के मन में आपके प्रति भक्ति भाव ही न हो। वह आपका भजन इसलिए ही कर रहा हो, कि उसे धन प्राप्त हो जाये, अथवा उसका स्वास्थ्य ठीक रहे, या फिर उसके परिवार पर कोई आपदा न आये। तो क्या ऐसे में भी उसे आपके भजन का फल मिलेगा?

तब श्रीराम जी के भावों को गोस्वामी जी ने बड़े सुंदर ढंग से व्यक्त किया है-

'भायँ कुभायँ अनख आलस हूँ।
नाम जपत मंगल दिसि दसहूँ।।'

अर्थात अगर आप भजन अच्छे भाव से और बड़े प्रेम में डूब कर कर रहे हैं। या फिर ऐसा भी हो सकता है, कि आपका भाव अच्छा न भी हो। कभी कभार ऐसा भी हो सकता है, कि आप क्रोध में हों। क्योंकि आप ने देखा, कि इतनी पूजा पाठ करने के पश्चात भी आपको सफलता नहीं मिली, तो आप प्रभु के प्रति गुस्सा रख कर माला फेर रहे हों। या फिर ऐसा भी हो सकता है, कि आपको गहन आलस्य ने घेर रखा हो। आपका मन बिलकुल भी नहीं कर रहा हो, कि आप पूजा में बैठें, लेकिन बेमन होने के पश्चात भी आप पूजा में बैठे। तो क्या इन समस्त प्रसंगों में आप के किये गए भक्ति प्रयासों का कोई फल नहीं मिलेगा? अगर आप सच में निराशाजनक भाव में हैं, तो निराशा छोड़ प्रसन्न हो जायें। क्योंकि प्रभु का नाम स्मरण किसी भी परिस्थिति में किया जाये, उसका फल तो मिलना ही मिलना है।

नरेंद्र मोदी की राज 'नीति' और कूटनीति हमेशा जीत की गारंटी होती है

आगामी लोकसभा चुनाव विशेष होंगे। इन चुनावों में विपक्षी दल कुछ अनूठा एवं विशेष कर पायेंगे, ऐसी संभावनाएं हर दिन कमजोर ही होती जा रही है। राहुल गांधी की यात्रा भी कोई प्रभाव स्थापित नहीं कर पा रही है, बल्कि कांग्रेस एवं इंडिया गठबंधन से विभिन्न दल दूरी बना रहे हैं।

ललित गर्ग

2024 के आम चुनावों का रण सज चुका है, कुछ ही हफ्ते बचे हैं और भारतीय जनता पार्टी एवं सभी विपक्षी दलों ने भी कमर कस ली है। भाजपा एवं इंडिया गठबंधन दोनों ही खेमों में अब हर दिन चुनावी रणनीति को लेकर बैठकों, मुलाकातों एवं चुनावी गणित को फीट करने का दौर चल रहा है, एक तरफ भाजपा 2 हफ्ते बाद उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी करने की तैयारी कर रही है, वहीं दूसरी तरफ इंडिया गठबंधन मकर संक्रांति के बाद सीट शेयरिंग का फॉर्मूला फाइनल करने वाला है, लेकिन भाजपा ने स्वयं 370 एवं उसके गठबंधन का 400 का लक्ष्य लेकर ही चल रही है। हाल ही में एक मीडिया हाउस के सर्वे के अनुसार भाजपा को भले ही 2019 की तुलना में केवल एक सीट का फायदा हो रहा है, भले नरेन्द्र मोदी का प्रधानमंत्री बनना तय है लेकिन उनके गठबंधन को करीब 17 सीटों का नुकसान होता हुआ दिखाई दे रहा है। हो सकता है अन्य माध्यमों से भी ऐसी ही सूचनाएं भाजपा को मिल रही हो, इसलिये उसने 400 के लक्ष्य को हासिल करने का ठाना है। भाजपा एवं मोदी की चुनावी रणनीतियों एवं विश्वास से ऐसा लग रहा है कि एक बार फिर धमाकेदार जीत दर्ज कर अपनी हैट्रिक पूरी करेगी। इस जीत के बाद भारत में बड़े बदलाव एवं क्रांतिकारी परिवर्तन देखने को मिलेंगे। राजनीति, प्रशासनिक, लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में आमूल-चूल परिवर्तन हो तो कोई आश्चर्य नहीं है।

नरेन्द्र मोदी, उनके राजनीतिक सलाहकार एवं भाजपा सम्भवतः इस मोड पर पहुंच गए हैं कि चुनाव जीतने के लिए उन्हें जितने तरह का रणनीतिक प्रबंधन करने जरूरी थे, वे सफलतापूर्वक किये जा चुके हैं या जल्द ही कामयाबी से कर लिये जाएंगे। जितनी कमजोर कड़ियां थीं, उनकी मरम्मत कर ली गई है। जिन राज्यों में खराब दृश्य दिख रहे हैं, वहां भाजपा पूरी ताकत से लगी है। भाजपा ने 164 ऐसी सीटों की दो कैटेगरी तैयार कर ली है जहां 45 मंत्रियों को जी-जान से जुटने को कहा गया है, भाजपा कमजोर सीटों पर सबसे ज्यादा जोर लगा रही है क्योंकि 2019 के चुनाव में भाजपा की 48 ऐसी सीटें थीं जहां जीत का अंतर 2 प्रतिशत से भी कम था, इन सीटों पर विपक्षी गठबंधन अगर एक उम्मीदवार उतार देता है तो भाजपा के लिए बड़ी चुनौती हो सकती है। ऐसी ही खतरे वाली सीटों के लिये भाजपा की तीक्ष्ण एवं प्रभावी रणनीतियां बन रही है। ऐसी ही रणनीतियां से समूचे राष्ट्र के राजनीतिक परिदृश्यों को बदलने एवं अपने पक्ष में करने के लिये भाजपा जुटी है। इसके लिये प्रभावी एवं दूरगामी राजनीतिक से जुड़े बड़े फैसले लिये जा रहे हैं। नीतीश कुमार और जयंत चौधरी जैसे नेताओं को इंडिया गठबंधन से छीन लिया गया है। कांग्रेस के अशोक चव्हान को भाजपा में शामिल करके राज्यसभा में भेजा जा रहा है। मायावती और चंद्रबाबू नायडू को विपक्ष में जाने से रोक दिया गया है। शिवसेना और राकांपा की दो फाड़ कर दी गयी है। श्रीराम मन्दिर उद्घाटन से हिन्दू वोटों को प्रभावित किया गया है, वही पांच राजनीतिक रत्नों को 'भारत रत्न' सर्वोच्च पुरस्कार की घोषणा से आम चुनावों को प्रभावित करने का राजनीतिक कौशल दिखाया गया है।

जब इतना बढ़िया, कौशलपूर्ण और प्रभावी राजनीतिक प्रबंधन हो चुका हो तो चार सौ का लक्ष्य हासिल करना भाजपा के लिये असंभव प्रतीत नहीं होता। वैसे प्रधानमंत्री के रूप में देश की जनता नरेन्द्र मोदी को ही सर्वाधिक पसन्द कर रही है, एक अनुशासित एवं राष्ट्रीय मूल्यों से प्रेरित पार्टी के रूप में भाजपा कायम है। मोदी का राजनीतिक कौशल ही है कि आम तौर से सरकारें चुनाव से पहले अपना खजाना खोलती हैं, लेकिन मोदी बिना खजाना खोले एवं लोकलुभावना घोषणाओं के चुनावी वैतरणी को सफलतापूर्वक पार करने की रणनीति बना रही है। मोदी जानते हैं कि लोकलुभावन योजनाएं या लाभार्थियों का संसार अपने आप वोटों में नहीं बदलता। उसके तीन स्तरों पर काम करना होता है। राज्यों के स्तर पर जहां अपनी स्थिति लगातार मजबूत करना जरूरी होता है, नेताओं के स्तर पर जो विभिन्न समुदायों की नुमाइंदगी करते हैं और समुदायों के स्तर पर जिन्हें लगातार पार्टी के साथ जोड़ने का अभियान चलाना पड़ता है। एक और स्तर इस बार के चुनावी गणित को प्रभावित करती हुई प्रतीत हो रही है, वह है मोदी का राजनीतिक कौशल एवं देश-विकास का उनका संकल्प। निश्चित ही मोदी भारतीय राजनीति में विश्वास और विकास के नायक हैं तो वैश्विक पटल पर महानायक बनकर देश और दुनिया को दिशा दिखा रहे हैं। कतर की जेल में बंद आठ पूर्व भारतीय नौसैनिकों की रिहाई और उनमें से सात का स्वदेश आ जाना एक ऐसी शुभ सूचना है, जिससे पूरे देश ने चैन की सांस ली है। इन भारतीयों की सकुशल रिहाई भारत की एक शानदार कूटनीतिक जीत है। यदि इसका श्रेय प्रधानमंत्री मोदी को दिया जा रहा है तो स्वाभाविक ही है, क्योंकि उन्होंने कुछ समय पहले दुबई में कतर के शासक से मुलाकात की थी। मोदी है तो सब कुछ मुमकिन है। यही कारण है कि उनकी छत्रछाया में भारत में राष्ट्रवाद का रंग गहरा हुआ है और भारत विश्वगुरु बनने की राह पर चल पड़ा है।

आगामी लोकसभा चुनाव विशेष होंगे। इन चुनावों में विपक्षी दल कुछ अनूठा एवं विशेष कर पायेंगे, ऐसी संभावनाएं हर दिन कमजोर ही होती जा रही है। राहुल गांधी की यात्रा भी कोई प्रभाव स्थापित नहीं कर पा रही है, बल्कि कांग्रेस एवं इंडिया गठबंधन से विभिन्न दल दूरी बना रहे हैं। यह चुनाव पहले ही उनकी असफलता की घोषणा है। इधर मोदी के प्रति लोगों का आकर्षण कायम है। इसका बड़ा कारण मोदी की राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय छवि कायम रहना है। मोदी ने अनेक चमत्कार घटित किये हैं, जिसका अहसास देश की जनता को है। यूक्रेन युद्ध के समय वहां फंसे भारतीयों को वापस लाना हो या कोरोना के दौरान दुनिया भर में टीका भेजना, ये सभी नरेंद्र मोदी की वैश्विक सोच का परिणाम है। प्रधानमंत्री मोदी के इस विश्वास एवं दृढ़ता की अनेक वजहें है। एक बड़ी वजह हाल ही में साल 2023 के विधानसभा चुनावों में भाजपा ने शानदार जीत दर्ज करना भी है। विशेषकर मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ का परिणाम तो कल्पना से भी बाहर था।

वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में मोदी के नेतृत्व में ऐतिहासिक एवं चमत्कारी जीत की संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता। क्योंकि प्रधानमंत्री के कार्यकाल की अनेक सुखद एवं उपलब्धिभरी प्रतिध्वनियां हैं, जिनमें चांद एवं सूर्य पर विजय पताका फहरा देने के बाद धरती को स्वर्ग बनाने की मुहीम चल रही है, राष्ट्रीय जीवन में विकास की नयी गाथाएं लिखते हुए भारत को दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनाने की ओर अग्रसर किया जा रहा है। भारत में जी-20 देशों महासम्मेलन सफलतापूर्वक सम्पन्न होना भी एक बड़ी उपलब्धि है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस जिम्मेदारी को संभालने का अर्थ था भारत को सशक्त करने के साथ-साथ दुनिया को एक नया चिन्तन, नया आर्थिक धरातल, शांति एवं सह-जीवन की संभावनाओं को बल देना। भाजपा इसलिए भी आशान्वित है, क्योंकि जिस विपक्षी एकता की बात 2023 के मध्य से चल रही थी, उसमें दरारे पड़ती ही जा रही है। तमाम विपक्षी पार्टियां अपने-अपने ढंग से चुनाव लड़ने को तैयार हैं और कांग्रेस से उनकी खींचतान चल रही है। फिर, जहां-जहां भाजपा के लिए मुश्किलें खड़ी हो सकती थीं, वहां पार्टी ने अपने अनवरत प्रयासों से खुद को मजबूत बना लिया है। दूसरी ओर कांग्रेस एवं विपक्षी दलों के पास भाजपा एवं मोदी विरोध का कोई सशक्त धरातल एवं मुद्दे नहीं है। कांग्रेस का हर दिन कई विरोधाभासों के बीच बीत रहा है। कांग्रेस की उलटी गिनतियां चल रही हैं। उसकी उल्टी गिनती तो लम्बी चलेगी। पर जनता के दिमाग में एक बात गहरे तक बैठी हुई है कि मोदी के नेतृत्व में सब कुछ बदल जाएगा, भारत सशक्त हो जायेगा, सब कुछ अच्छा हो जाएगा एवं सब कुछ श्रेष्ठ हो जाएगा। जनता की यही सोच आम चुनाव की तस्वीर को स्पष्ट करते हुए भाजपा को ऐतिहासिक जीत की ओर अग्रसर कर रही है।

इनसाइड

YouTube की पूर्व CEO Susan Wojcicki के बेटे का 19 वर्ष की उम्र में निधन, नानी ने फेसबुक पोस्ट पर दी जानकारी

यूट्यूब की पूर्व सीईओ सुसान वोज्स्की के बेटे मार्को ट्रॉपर (Marco Troper) का 19 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। मार्को ट्रॉपर यूसी बर्कले के परिसर में छात्र था। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो स्कूल के प्रवक्ता क्लार्क केर कैम्पस ने जानकारी दी है कि मार्को निष्क्रिय पाया गया था।मार्को ट्रॉपर की नानी एस्थर वोज्स्की (Esther Wojcicki) ने भी फेसबुक पोस्ट पर जानकारी दी है।

नई दिल्ली। यूट्यूब की पूर्व सीईओ सुसान वोज्स्की के बेटे मार्को ट्रॉपर (Marco Troper) का 19 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। मार्को ट्रॉपर यूसी बर्कले के परिसर में छात्र था। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो स्कूल के प्रवक्ता क्लार्क केर कैम्पस ने जानकारी दी है कि मार्को निष्क्रिय पाया गया था। ट्रॉपर (Marco Troper) दोपहर में पाया गया, जिसके बाद फायर बर्कले फायर डिपार्टमेंट में कैंपस पुलिस को इसकी जानकारी दी।

कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय पुलिस विभाग, बर्कले के एक बयान के मुताबिक विभाग ने ट्रॉपर को बचाने की हर कोशिश की लेकिन वे नाकामियाब रहे। कुछ देर बाद ट्रॉपर (Marco Troper) को मृत घोषित कर दिया गया।

कैसे हुई ट्रॉपर (Marco Troper) की मौत

दरअसल, ट्रॉपर (Marco Troper) की मौत के कारणों का अभी तक पता नहीं लग पाया है। हालांकि, माना जा रहा है कि ट्रॉपर (Marco Troper) की मौत नशीली दवाईयों के अत्यधिक सेवन की वजह से हुई है।

नानी Esther ने फेसबुक पोस्ट पर कही ये बात

यूट्यूब की पूर्व सीईओ सुसान वोज्स्की की मां एस्थर वोज्स्की (Esther Wojcicki) ने एक फेसबुक पोस्ट के जरिए मार्को ट्रॉपर (Marco Troper) को लेकर यह जानकारी दी है।

15 फरवरी को किए एक फेसबुक पोस्ट के साथ वे लिखती हैं कि कल मेरे परिवार पर विपत्ति आई, मेरे प्यारे पोते मार्को ट्रॉपर का निधन हो गया। उसकी उम्र 19 वर्ष थी।

वह दयालु, प्यार करने वाला, स्मार्ट, मजेदार और बेहतरीन इंसान था। वह यूसी बर्कले में अपने प्रथम वर्ष के दूसरे सेमेस्टर में गणित की पढ़ाई शुरू कर रहा था।

उसे अपनी पढ़ाई बेहद पसंद आ रही थी। स्टर्न हॉल में उसके छात्रावास में उसके दोस्तों का एक मजबूत ग्रुप था और वह अकादमिक रूप से संपन्न था।

वह घर पर हमें बर्कले में अपने जीवन और दोस्तों की अनगिनत कहानियाँ सुनाता था। मार्को का जीवन बहुत छोटा रहा, यह हमारे लिए किसी तबाही से कम नहीं है।

हम दुखी हैं कि वह जीवन के अनुभवों और अवसरों को चूक गया। मार्को हम सब तुमसे बहुत प्यार करते हैं और तुम हमेशा हमारी यादों में रहोगे।

ये बैंक दे रहे हैं FD पर ज्यादा ब्याज, SBI से लेकर ICICI Bank का नाम है लिस्ट में शामिल

परिवहन विशेष न्यूज

एफडी को एक सुरक्षित निवेश माना जाता है। अगर आप भी फिक्स्ड डिपॉजिट में निवेश करने की योजना बना रहे हैं तो ये जानकारी आपके लिए काम की साबित होने वाली है। एफडी पर ब्याज की दर समयावधि और निवेश की रकम पर आधारित होती है। बावजूद इसके अलग-अलग बैंक अलग-अलग दर पर ब्याज ऑफर करते हैं। इस आर्टिकल में कुल चार बैंकों के एफडी इंटरेस्ट रेट की जानकारी है।

नई दिल्ली। एफडी को एक सुरक्षित निवेश माना जाता है। अगर आप भी फिक्स्ड डिपॉजिट में निवेश करने की योजना बना रहे हैं तो ये जानकारी आपके लिए काम की साबित होने वाली है।

एफडी पर ब्याज की दर समयावधि और निवेश की रकम पर आधारित होती है। बावजूद इसके अलग-अलग बैंक अलग-अलग दर पर ब्याज ऑफर करते हैं।

इस आर्टिकल में कुल चार बैंकों में 2 करोड़ रुपये से कम की एफडी पर दिए जाने वाले ब्याज की तुलना कर सकते हैं-

कोटक महिंद्रा बैंक

365- 389 दिन के लिए एफडी पर ब्याज की दर 7.10% और सीनियर सिटिजन के लिए समान अवधि पर ब्याज की दर 7.82% है।

5-10 वर्ष की एफडी पर कोटक महिंद्रा बैंक 6.20% की दर से एफडी पर ब्याज ऑफर कर रहा है। सिनियर

सिटिजन के लिए समान अवधि पर यह दर 6.70% है।

भारतीय स्टेट बैंक

1 वर्ष से ज्यादा और 2 वर्ष से कम की एफडी पर ब्याज की दर 7.10% और सीनियर सिटिजन के लिए समान अवधि पर ब्याज की दर 7.60% है।

5-10 वर्ष की एफडी पर एसबीआई 6.50% की दर से एफडी पर ब्याज ऑफर कर रहा है। सिनियर सिटिजन के लिए समान अवधि पर यह दर 7.50% है।

आईसीआईसीआई बैंक

1 वर्ष की एफडी पर ब्याज की दर 6.70% और सीनियर सिटिजन के लिए समान अवधि पर ब्याज की दर 7.20% है।

5 वर्ष से ज्यादा और 10 वर्ष तक की एफडी पर आईसीआईसीआई बैंक 6.90% की दर से एफडी पर ब्याज ऑफर कर रहा है। सिनियर सिटिजन के लिए समान अवधि पर यह दर 7.50% है।

एचडीएफसी बैंक

1 वर्ष से ज्यादा और 15 महीनों से कम की एफडी पर ब्याज की दर 6.60% और सीनियर सिटिजन के लिए समान अवधि पर ब्याज की दर 7.10% है।

5 वर्ष से ज्यादा और 10 वर्ष तक की एफडी पर आईसीआईसीआई बैंक 7.00% की दर से एफडी पर ब्याज ऑफर कर रहा है। सिनियर सिटिजन के लिए समान अवधि पर यह दर 7.75% है।

बैंक	समयावधि	जनरल सिटिजन	सीनियर सिटीजन
एचडीएफसी बैंक			
	1 वर्ष से ज्यादा और 15 महीनों से कम	6.60%	7.10%
आईसीआईसीआई बैंक			
	1 वर्ष	6.70%	7.20%
भारतीय स्टेट बैंक			
	1 वर्ष से ज्यादा और 2 वर्ष से कम	7.10%	7.60%
कोटक महिंद्रा बैंक			
	365- 389 दिन	7.10%	7.82%

कंपनी चाहे भारत की हो या विदेश की, देश के कानूनों का पालन करना है जरूरी, Paytm मामले से लें Fintech कंपनियां सीख: राजीव चंद्रशेखर

पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड मामले को लेकर मंत्री ने कहा कि कोई भी कंपनी चाहे वह भारत की हो या विदेश की बड़ी हो या छोटी उसे देश के कानूनों का पालन करना होगा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पीपीबीएल को 15 मार्च से नई जमा स्वीकार करने से रोक दिया है। कंपनी के खिलाफ अपनी कार्रवाई की किसी भी समीक्षा से इनकार भी कर दिया है।

नई दिल्ली। इन दिनों पेटीएम पेमेंट बैंक का मुद्दा हर किसी के लिए चर्चा का विषय बना हुआ है। इसी कड़ी में पीटीआई को दिए एक इंटरव्यू में इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी राज्य मंत्री चंद्रशेखर ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक से जुड़े मुद्दे पर अपनी बात रखी।

मंत्री ने कहा कि यह एक एक मामला है, जो दिखाता है कि उद्यमी नियमों का पालन करने की जरूरत को नजरअंदाज करते हैं। कोई भी कंपनी कानूनों का बिना पालन किए काम नहीं कर सकती है।

फिनटेक कंपनियां भी लेंगी सीख

केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा है कि पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर रिजर्व बैंक की नियामक कार्रवाई ने फिनटेक कंपनियों का ध्यान कानूनों के पालन के महत्व की ओर आकर्षित किया है।

मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि नियमों का पालन कंपनियों के लिए वैकल्पिक नहीं हो सकता है, बल्कि यह एक ऐसा पहलू है जिस पर प्रत्येक उद्यमी को पूरा ध्यान देना चाहिए।

पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड मामले को लेकर मंत्री ने कहा कि कोई भी कंपनी, चाहे वह भारत की हो या विदेश की, बड़ी हो या छोटी, उसे देश के कानूनों का पालन करना होगा।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पीपीबीएल को 15 मार्च से नई जमा स्वीकार करने से रोक दिया है। कंपनी के खिलाफ अपनी कार्रवाई की किसी भी समीक्षा से इनकार भी कर दिया है।

फिनटेक कंपनियों की बढ़ी चिंता

चन्द्रशेखर ने कहा कि यह धारणा कि पीपीबीएल पर आरबीआई की कार्रवाई ने फिनटेक को परेशान कर दिया है।

राजनेता, उद्यमी और टेक्नोक्रेट इस बात से असहमत थे कि पेटीएम पेमेंट्स बैंक मुद्दे ने पूरे फिनटेक उद्योग के लिए हानिकारक परिणामों के बारे में चिंता बढ़ा दी है।

मुझे लगता है कि इसने फिनटेक उद्यमियों का ध्यान इस तथ्य की ओर आकर्षित किया है कि आपको यह भी जानना होगा कि कानून का अनुपालन कैसे करना है।

चन्द्रशेखर ने आगे कहा कि उद्यमी आम तौर पर जो कुछ भी बना रहे हैं उस पर इतना ध्यान केंद्रित करते हैं कि कभी-कभी, वे नियामकों द्वारा निर्धारित नियमों की अनदेखी कर सकते हैं।

पेटीएम क्यूआर कोड करता रहेगा काम

आरबीआई ने शुक्रवार को जारी एफएक्यू (अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न) की सूची में स्पष्ट किया कि दूसरे बैंक से लिंक्ड पेटीएम क्यूआर कोड, पेटीएम साउंडबॉक्स या पेटीएम पीओएस टर्मिनल 15 मार्च के बाद भी काम करना जारी रखेंगे।

फिनटेक फर्म वन97 कम्युनिकेशंस (पेटीएम के मालिक) ने इस बीच कहा कि उसने अपना नोडल खाता पेटीएम पेमेंट्स बैंक से एक्सिस बैंक में ट्रांसफर कर दिया है। इस कदम के साथ 15 मार्च की समय सीमा के बाद पेटीएम क्यूआर, साउंडबॉक्स, कार्ड मशीन की निरंतरता की अनुमति देगा।

पर्सनल खर्चों को पूरा करने में काम आते हैं इन्स्टेंट पर्सलन लोन्स, लेकिन; इन बातों को भूलकर भी न करें नजरअंदाज

परिवहन विशेष न्यूज

सवाल यह आता है कि पर्सनल लोन क्या होता है। इंस्टेंट पर्सनल लोन को एक तरह के असुरक्षित लोन की तरह समझ सकते हैं। इसकी जरूरत व्यक्ति को अपने पर्सनल खर्चों की पूरा करने के लिए पड़ती है। अस्तपताल का बिल चुकाने से लेकर वैकेशन और नए फोंसी गैजेट के खर्चे के लिए इस तरह का लोन लिया जाता है।

नई दिल्ली। जरूरतों को पूरा करने के लिए कई बार पैसे की कमी पड़ जाती है। कमजोर आर्थिक स्थिति के बीच ही व्यक्ति लोन लेने के विकल्प पर जाता है। लोन आपकी पर्सनल जरूरतों के लिए भी लिया जा सकता है। इस तरह की जररूत के लिए पर्सनल लोन की सुविधा मौजूद होती है।

क्या होता है पर्सनल लोन

सवाल यह आता है कि पर्सनल लोन होता क्या है। पर्सनल लोन को एक तरह के असुरक्षित लोन की तरह समझ सकते हैं। इसकी जरूरत व्यक्ति को अपने पर्सनल खर्चों की पूरा करने के लिए पड़ती है। अस्तपताल का बिल चुकाने से लेकर वैकेशन और नए फोंसी गैजेट के खर्चे के लिए

इस तरह का लोन लिया जाता है।

कैसे मिलता है पर्सनल लोन

एसबीआई, एचडीएफसी, आईसीआईसीआई जैसे बैंक इंस्टेंट पर्सनल लोन की सुविधा देते हैं। इसके अलावा, कई गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (NBFC) जैसे बजाज फिनसर्व, आईआईएफएल फाइनेंस और क्रेडी भी लोन की सुविधा देती हैं।

पर्सनल लोन के लिए ये बातें जरूरी

लोन लेने ही नहीं चुकाने की क्षमता का आकलन किया जाना जरूरी है। मासिक किस्तों और कुल ब्याज का अनुमान लगाने के लिए लोन ईएमआई कैलकुलेटर इस्तेमाल करें। लोन पेमेंट को अपने बजट के अंदर लाने पर ध्यान दें।

लोन एग्रीमेंट को ध्यान से पढ़ें। किसी भी तरह के छुपे हुए चार्ज (Hidden Charges), देरी से भुगतान, प्रीपेमेंट की सुविधा को लेकर सारी जानकारियां ठीक से चेक करें।

धोखाधड़ी से सतर्क रहें। कम ब्याज दर और अच्छे लगने सौदों को लेकर ज्यादा सावधानी बरतें। ऋणदाता की वैधता की पुष्टि करें।

अपना क्रेडिट स्कोर जानें। ऋण पात्रता और ब्याज दर आपके क्रेडिट स्कोर से प्रभावित होते हैं। क्रेडिट रिपोर्ट की जांच समय से करवा लें। स्कोर बढ़ाने के ऑप्शन पर जाएं। यह स्कोर 700 से ऊपर हो तो ही लोन लेने की सलाह दी जाती है।

अपनी फाइनैंशियल जरूरत को समझें। खुद से सवाल करें कि क्या हकीकत में लोन लेना ही एकमात्र उपाय होगा। इसके बजाय, बचत या इंतजार करने के ऑप्शन पर जा सकते हैं। लोन से ज्यादा किफायती विकल्पों को खोजें।

अपने चहेते कलाकारों के लाइव शो के लिए हजारों किलोमीटर की यात्रा करेंगे फैन्स, भविष्य का बड़ा बिजनेस बनेगा म्यूजिक टूरिज्म

अपने चहेते कलाकारों के लाइव कॉन्सर्ट का हिस्सा बनना म्यूजिक लवर्स को खूब भाता है। लेकिन क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि फैन्स की यह चाहत उन्हें सैकड़ों- हजारों किलोमीटर की यात्रा करने की ओर मोड़ सकती है। म्यूजिक कॉन्सर्ट के लिए यात्रा का ट्रेंड ही म्यूजिक टूरिज्म के नाम से जाना जाता है। इस ट्रेंड को बड़ा बिजनेस बनने की क्षमता के रूप में देखा जा रहा है।

नई दिल्ली। अपने चहेते कलाकारों के लाइव कॉन्सर्ट का हिस्सा बनना म्यूजिक लवर्स को खूब भाता है। लेकिन क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि फैन्स की यह चाहत उन्हें सैकड़ों- हजारों किलोमीटर की यात्रा करने की ओर मोड़ सकती है।

म्यूजिक कॉन्सर्ट के लिए यात्रा का ट्रेंड ही म्यूजिक टूरिज्म के नाम से जाना जाता है। भविष्य में इस ट्रेंड को एक बड़ा बिजनेस बनने की क्षमता के रूप में देखा जा रहा है।

टेलर स्विफ्ट का एरास टूर होगा खास

टेलर स्विफ्ट इस वर्ष अपने 'एरास टूर' के लिए कई देशों में लाइव शो करेंगी। यह वर्ल्ड टूर 17 मार्च, 2023 को यूएस के एरिजोना में शुरू हुआ है।

इसमें पांच महाद्वीपों की 151 तारीखें शामिल की गई हैं। पॉप सिंगर के लाइव शो के लिए उनकी ऑडियंस देशों-विदेशों से यात्रा करेंगे।

रोमानिया और ग्रीस जैसे देश म्यूजिक लवर्स का आकर्षण

माना जा रहा है कि आने वाले महीनों में रोमानिया और ग्रीस जैसे देश म्यूजिक लवर्स की पसंदीदा जगह होंगे। दरअसल, ऐसा इसलिए माना जा रहा है क्योंकि, ये देश ब्रिटेन के मशहूर बैंड कोल्डप्ले के 'म्यूजिक ऑफ द स्फीयर्स'' वर्ल्ड का हिस्सा हैं।

इन देशों के शहरों में इस मशहूर बैंड को कॉन्सर्ट होने जा रहे हैं। रोमानिया, फ्रांस, इटली, जर्मनी, फिनलैंड, ऑस्ट्रिया, आयरलैंड, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड जैसे देशों में कई शो पहले से ही बुक हो चुके हैं।

स्पैनिश एयर ट्रैवल बुकिंग कंपनी अमाडेस म्यूजिक टूरिज्म को वर्ष 2024 के प्रमुख टूरिज्म ट्रेंड्स में से एक मान रही है।

ग्रीस की राजधानी एथेंस में दो शो के ऐलान के बाद सप्ताह में एथेंस के लिए उड़ानों की खोज में 62% की बढ़ोतरी हुई। कंपनी ने रोमानिया के लिए उड़ानों में की सर्च में 91% से ज्यादा बढ़ोतरी दर्ज की।

2033 तक म्यूजिक टूरिज्म मार्केट 1.16 लाख करोड़ का होगा

म्यूजिक और टूरिज्म इंडस्ट्री से जुड़े लोग मानते हैं कि म्यूजिक टूरिज्म एक बड़ा बिजनेस बनाने की क्षमता रखता है।

डेटा एनालिटिक्स फर्म फ्यूचर मार्केट इनसाइट्स की मानें तो ग्लोबल म्यूजिक टूरिज्म मार्केट 2033 तक करीब 1.16 लाख करोड़ रुपएतक पहुंचने की उम्मीद है।

यह वर्ष 2023 में करीब 50 हजार करोड़ रुपए का था। आने वाले 10 वर्षों में इसके 9% सालाना की दर से बढ़ने का अनुमान है।

रविवार के लिए जारी हुए पेट्रोल डीजल के नए दाम, अपने फोन पर ऐसे चेक करें लेटेस्ट अपडेट

रविवार के लिए पेट्रोल और डीजल के नए भाव जारी हो गए हैं। पेट्रोल-डीजल की कीमतें रोजाना सुबह 6 बजे अपडेट की जाती हैं। यही वजह है कि वाहन चालकों को घर से निकलने से पहले फ्यूल की ताजा कीमतें चेक कर लेने की सलाह दी जाती है। स्मार्टफोन पर मैसेज के जरिए अपने शहर के पेट्रोल-डीजल रेट्स जाने जा सकते हैं।

नई दिल्ली। देश की सरकारी तेल कंपनियों द्वारा रविवार के लिए पेट्रोल और डीजल की ताजा कीमतें जारी की जा चुकी हैं।

लंबे समय से पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। इसी कड़ी में आज भी देश के घरेलू बाजारों के लिए तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

बता दें, सरकारी तेल कंपनियां घरेलू बाजारों के लिए रोजाना सुबह 6 बजे पेट्रोल-डीजल की नई कीमतें जारी करती हैं। यही वजह है कि पेट्रोल और डीजल को लेकर रोजाना ताजा अपडेट जारी होता है।

इंडियन ऑयल की ऑफिशियल वेबसाइट पर दी जानकारी के मुताबिक पेट्रोल और डीजल के रेट्स-

महानगरों में पेट्रोल-डीजल की ताजा कीमतें (Petrol Diesel Price Today 18 February 2024)

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 96.72 रुपये और डीजल की कीमत 89.62 रुपये प्रति लीटर है।

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में पेट्रोल की कीमत 106.31 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 94.27 रुपये प्रति लीटर है।

कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 106.03 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.76 रुपये प्रति लीटर बनी हुई है।

चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 102.63 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 94.24 रुपये प्रति लीटर बनी हुई है।

ये भी पढ़ें: Petrol Price Hike: पाकिस्तान में जितने में मिलता है एक लीटर

पेट्रोल, उतने में तो भारत में... एक बार फिर बढ़े दाम

देश के अन्य शहरों में पेट्रोल-डीजल की कीमत

नोएडा:पेट्रोल 96.79 रुपये प्रति लीटर और डीजल 89.96 रुपये प्रति लीटर

हैदराबाद:पेट्रोल 109.66 रुपये प्रति लीटर और डीजल 97.82 रुपये प्रति लीटर

जयपुर: पेट्रोल 108.48 रुपये प्रति लीटर और डीजल 93.72 रुपये प्रति लीटर

पटना: पेट्रोल 107.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 94.04 रुपये प्रति लीटर

लखनऊ: पेट्रोल 96.58 रुपये प्रति लीटर और डीजल 89.77 रुपये प्रति लीटर

फोन पर कैसे चेक करें पेट्रोल- डीजल के रेट्स

फोन से 92249 92249 नंबर पर RSP Dealer Code of Petrol Pump टाइप कर सेंड करना होगा।

उदाहरण के लिए दिल्ली के लिए 92249 92249 नंबर पर RSP 102072 टाइप कर सेंड करना होगा। इस मैसेज को सेंड करने के तुरंत बाद आपके फोन पर पेट्रोल-डीजल की ताजा कीमतों का मैसेज आ जाता है।

अपने शहर के पेट्रोल पंप का डीलर कोड https://iocl.com/petrol-diesel-price से चेक कर सकते हैं।

गुरुग्राम:पेट्रोल 97.18 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.05 रुपये प्रति लीटर

बेंगलुरु:पेट्रोल 101.94 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.89 रुपये प्रति लीटर

चंडीगढ़:पेट्रोल 96.20 रुपये प्रति लीटर और डीजल 84.26 रुपये प्रति लीटर

होम लोन ले रहे हैं तो टैक्स बेनेफिट का लें फायदा, इनकम टैक्स एक्ट के इन सेक्शन के साथ मिलेगी छूट

खुद का घर खरीदने के बारे में सोच रहे हैं तो होम लोन लेने की भी तैयारी होगी। क्या आप जानते हैं होम लोन लेने के साथ टैक्स बेनेफिट का भी फायदा मिलता है। इनकम टैक्स एक्ट के अलग-अलग सेक्शन के साथ आप टैक्स कटौती का फायदा ले सकते हैं।यहां आपको समझने की जरूरत है कि सभी टैक्स बेनेफिट का फायदा पुराने टैक्स सिस्टम के साथ ही मिलते हैं।

नई दिल्ली। खुद का घर खरीदने के बारे में सोच रहे हैं तो होम लोन लेने की भी तैयारी होगी। क्या आप जानते हैं होम लोन लेने के साथ टैक्स बेनेफिट का भी फायदा मिलता है।

इनकम टैक्स एक्ट के अलग-अलग सेक्शन के साथ आप टैक्स कटौती का फायदा ले सकते हैं। इस आर्टिकल में होम लोन पर टैक्ट छूट की ही जानकारी दे रहे हैं-

टैक्स बेनेफिट पाने के मानदंड

यहां आपको समझने की जरूरत है कि सभी टैक्स बेनेफिट का फायदा पुराने टैक्स सिस्टम के साथ ही मिलते हैं। नए टैक्स सिस्टम में इनका फायदा नहीं मिलता है।

आयकर अधिनियम के अनुसार, इन सेक्शन के साथ होम लोन पर टैक्स बेनेफिट पा सकते हैं-

Section 24(b)- सेक्शन 24(b) के तहत 2 लाख रुपये तक के सालाना होम लोन के ब्याज पर टैक्स कटौती का फायदा मिलता है। हालांकि, यह कटौती स्व-कब्जे वाली संपत्तियों (self-occupied properties) पर ही उपलब्ध है। गैर-स्व-कब्जे वाली संपत्ति (non-self-occupied property) के लिए कोई सीमा नहीं है।

Section 80C: 80C के तहत घर खरीदार को मूल राशि पर कटौती का लाभ मिलता है। लोन की मूल राशि के रिपेमेंट पर सालाना 1.5 लाख रुपये की कर कटौती का लाभ उठाया जा सकता है।

Section 80 EEA: इस सेक्श के तहत अतिरिक्त ब्याज पर छूट मिलती है। किफायती होम लोन के ब्याज पर आप सालाना 1.5 लाख रुपये तक की छूट पा सकते हैं।

Section 80 EE: इस सेक्शन के साथ पहली बार घर खरीदने वालों को कर कटौती का फायदा मिलता है। सालाना 50,000 रुपये तक की ब्याज कटौती का लाभ उठा सकते हैं।

एसकेएम ने 21 फरवरी 2024 को पूरे भारत में एनडीए-बीजेपी के सांसदों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया

- भविष्य की कार्ययोजना तय करने के लिए एसकेएम एनसीसी और आम सभा बैठक 21-22 फरवरी, 2024 को नई दिल्ली में होगी
- चुनावी बांड के कॉर्पोरेट भ्रष्टाचार और बदले में किसान विरोधी, मजदूर विरोधी, राष्ट्र विरोधी कानून बनाकर लाभ पहुंचने के खेल को उजागर करो

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। एसकेएम ने भारत भर के किसानों से आह्वान किया है कि वे 9 दिसंबर 2021 को एसकेएम के साथ हुए सरकार के समझौते को लागू करने की मांगों के साथ भाजपा और एनडीए के सांसदों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करें। इस में प्रमुख मांगे है, गारंटीशुदा खरीद के साथ सी2+50% के हिसाब से एमएसपी, व्यापक ऋण माफी बिजली का निजीकरण पर रोक, लखीमपुर खीरी में किसान नरसंहार के मुख्य साजिशकर्ता अजय मिश्रा टेनी केंद्रीय राज्य मंत्री (गृह) को बर्खास्त कर मुकदमा चलाया जाए और पंजाब सीमा पर समान मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे किसानों पर हो रहे दमन पर रोका लगाई जाए एवंचुनावी बांड पर सुप्रीम कोर्ट के अहम फैसला व इसके माध्यम से उजागर हुए कॉरपोरेट भ्रष्टाचार को भी बेनकाब किया जाए। एसकेएम ने केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के संयुक्त मंच, विभिन्न जन संगठनों से एकजुटता दिखाने और मोदी के किसान विरोधी, अलोकतांत्रिक, दमनकारी और तानाशाही रवैये को उजागर करने की अपील की करता है।

पंजाब में एसकेएम ने तीन दिनों तक भाजपा के सांसदों, विधायकों, मंत्रियों और जिला अध्यक्षों के घरों के सामने दिन-रात बड़े विरोध प्रदर्शन करने का फैसला किया है। विरोध प्रदर्शन 20 फरवरी को सुबह 10 बजे शुरू होगा और 22 फरवरी, 2024 को शाम 5 बजे समाप्त होगा।

एसकेएम ने चुनावी बांड के माध्यम से भ्रष्टाचार को वैध बनाने और पार्टी फंड के रूप में हजारों करोड़ रुपये जमा करने के लिए मोदी सरकार की कड़ी निंदा करता है। एसकेएम ने इसे रद्द करने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया है। एसकेएम यह मानता है कि, कॉरपोरेट समर्थक कृषि कानून, श्रम संहिता, बिजली अधिनियम संशोधन, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना जिसमें बीमा कंपनियों ने किसानों की कीमत पर 57,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि अर्जित की है, लाभ कमाने वाले सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की प्री-पेड स्मार्ट मीटर बिक्री, हवाई अड्डों और बंदरगाहों का निजीकरण, ऐसे कई कानून और नीतियां है जो कि भाजपा द्वारा उसके कॉर्पोरेट साथियों को लौटाए गए एहसान हैं।

भाजपा ने भ्रष्टाचार को वैध बनाकर हजारों करोड़ रुपये इकट्ठा किये थे और इसे लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकारों को गिराने के साथ-साथ बड़े पैमाने पर प्रचार के माध्यम से चुनावों को प्रभावित करने के लिए किया था। इसकी तुलना किसी अन्य राजनीतिक दल से करना असंभव है। एसकेएम को उम्मीद है कि, ईवीएम पर जो संदेह बना हुआ है उसे एक सुरक्षित तंत्र बनाकर दूर किये जाने की लिए भी यह फैसला एक आंदोलन को बढ़ावा देगा। चुनावी फंडिंग के साथ-साथ यह भी एक अहम मुद्दा है और चुनाव की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए मायने रखता है। एसकेएम यह मांग करता है कि दानदाताओं सूची और भाजपा व अन्य पार्टियों को मिलने वाली राशि को सार्वजनिक किया जाए और उनसे इस की वसूली की जाए।

एसकेएम एनसीसी की बैठक 22 फरवरी 2024 को दोपहर 2 बजे होगी और आम सभा (जनरल बॉडी बैठक)22 फरवरी 2024 को सुबह 10.30 बजे नई दिल्ली में की जाएगी, इन बैठकों में स्थिति का जायजा लिया जाएगा और चल रहे संघर्षों को तेज करने के लिए भविष्य की कार्ययोजना बनाई जाएगी।

कांग्रेस ने बीजेपी -बिजेड़ी के साथ की शादी

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड ओड़िशा

भुबनेस्वर : कांग्रेस ने बीजेडी और बीजेपी दोनों पर विकास के नाम पर ओडिशा को बर्बाद करने का आरोप लगाया है । कांग्रेस ने यह भी आरोप लगाया है कि बीजेपी -बिजेड़ी दोनों पति-पत्नी हैं । मैदान में तो दोनों लड़ रहे हैं, लेकिन अंदर दोनों का शोर है । राज्य की राजनीति में भले ही दोनों एक-दूसरे के विरोधी थे, लेकिन बिजेड़ी केंद्र की सत्ताधारी बीजेपी की सभी गतिविधियों का समर्थन करते रहे हैं । बीजेडी सांसद केवल इस पर अपना कब्ज़ा जमाने के लिए संसद जा रहे हैं। हाल ही में हुए राज्यसभा चुनाव में बिजेपी के राज्यसभा उम्मीदवार अश्विनी वैष्णव को बिजेड़ी ने समर्थन करने से दोनों पार्टियों के प्यार को सामने ला दिया है । ओडिशा में पच्चीस साल से मिल कर लूटपाट कर रहे इन दोनों दलों के अवैध रिश्ते को सुधारने और उनके रिश्ते को सामाजिक वैधता देने के लिए एनसी पार्टी ने दोनों पक्षों की शादी कराकर उन्हें अपने रिश्ते के प्रति जागरूक किया है । अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अंतिम निर्णय के अनुसार, ब्लॉक स्तर पर भाजपा और बीजद के बीच अवैध संबंधों के बारे में जनता को जागरूक करने के लिए ओडिशा पीसीसी ने दोनों पक्षों का विवाह कराया है।

भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन से लोकसभा चुनाव में जीत का मंत्र लेकर लौटे जिले के जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारी

परिवहन विशेष न्यूज

भीलवाड़ा। भारतीय जनता पार्टी के दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन में जिले के जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आगामी लोकसभा चुनाव में जीत का मंत्र लेकर पूरे जोश एवं उत्साह के साथ आए हैं।

जिला प्रवक्ता अंकुर बोरदिया ने बताया कि जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा सहित जनप्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों ने दो दिवसीय अधिवेशन के विभिन्न सत्रों एवं चर्चा परिचर्चा में भाग लिया। अधिवेशन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उपस्थित भाजपा कार्यकर्ताओं को लोकसभा चुनाव में जीत का मंत्र देते हुए आह्वान किया कि भाजपा का कार्यकर्ता साल के हर दिन 24 घंटे देश की सेवा के कुछ ना कुछ करता रहता है। अब अगले 100 दिन नई ऊर्जा, नई उमंग,

पीएम मोदी के आह्वान पर भीलवाड़ा जिले में बनाएंगे 100 दिन का ग्रासरूट प्लान - मेवाड़ा

नए उत्साह, नए जोश, नए विश्वास के साथ काम करने के हैं। भाजपा कार्यकर्ता को अगले 100 दिन हर वोटर, हर लाभार्थी, हर समाज एवं वर्ग तक पहुंचना है और उनका विश्वास हासिल करना है। सबका प्रयास होगा तो देश सेवा के लिए सर्वाधिक सीट बीजेपी को ही मिलेगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित केंद्र के अनेक वरिष्ठ नेताओं ने भी सभी का मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर आगामी लोकसभा चुनाव के लिए 'फिर एक बार मोदी सरकार' के नारे की भी अधिकृत रूप से घोषणा की गई ।

अधिवेशन से लौटकर जिलाध्यक्ष मेवाड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर भीलवाड़ा जिले में आगामी लोकसभा चुनाव में जीत का लक्ष्य लेकर ग्रासरूट प्लान तैयार किया जाएगा। अधिवेशन में जिले से सांसद सुभाष बहेडिया, प्रदेश महामंत्री दामोदर अग्रवाल, जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा, पूर्व मंत्री कालूलाल गुर्जर, विधायक उदयलाल भडाना, गोपीचंद मीणा, गोपाल खंडेलवाल, लादुलाल पीतलिया, लालाराम बैरवा, जब्बरसिंह सांखला, सभापति राकेश पाठक, शाहपुरा नगरपरिषद चेयरमैन रघुनंदन सोनी, आसींद नगर पालिका चेयरमैन देवीलाल साहू, वाइस चेयरमैन विक्रम सिंह, लोकसभा विस्तारक प्रकाश अहीर सहित कई जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारी सहभागी बने ।

भरण-पोषण मामले में महिला अदालत की अवमानना की दोषी करार: दिल्ली हाई कोर्ट

अदालत ने कहा कि तथ्य यह नहीं है कि महिला अदालत के निर्देशों का अनुपान नहीं कर सकती थी बल्कि आदेश का अनुपालन करने से बचने के लिए अधूरे कारण बताए। अदालत ने नोट किया कि महिला एक अच्छा व्यापार चलाती है और अदालत द्वारा भरण-पोषण के रूप में निर्धारित की गई धनराशि इतनी बड़ी नहीं थी कि वह इसका प्रबंध न कर सके।

नई दिल्ली। पति व बच्चे को भरण-पोषण देने संबंधी मेट्रोपालिटन मजिस्ट्रेट (महिला अदालत) के आदेश का अनुपालन नहीं करने पर दिल्ली हाई कोर्ट ने एक महिला को अदालत की अवमानना दोषी करार दिया है।

अदालत ने कहा कि महिला को आर्थिक अक्षमता इस हद तक नहीं है कि वह अदालत के आदेशों का अनुपालन नहीं कर सके। अदालत ने कहा कि तथ्य यह नहीं है कि महिला अदालत के निर्देशों का अनुपान नहीं कर सकती थी, बल्कि आदेश का अनुपालन करने से बचने के लिए अधूरे कारण बताए। अदालत ने नोट किया कि महिला एक अच्छा व्यापार चलाती है और अदालत द्वारा भरण-पोषण के रूप में निर्धारित की गई धनराशि इतनी बड़ी नहीं थी कि वह इसका प्रबंध न कर सके।

एक महीने के साधारण कारावास की सजा

महिला को एक महीने के साधारण कारावास की सजा व दो हजार रुपये का जुर्माना लगाते हुए न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की पीठ ने कहा कि प्रतिवादी महिला ऐसी कोई परिस्थिति अदालत के समक्ष पेश करने में असफल रही है कि उसे जानबूझकर की गई अदालत की अवमानना के लिए दंडित नहीं किया जाना चाहिए।

अदालत ने यह भी नोट किया महिला के दो संपत्ति है और वह एक अदालत ने माना कि महिला ने जानबूझकर 19 जनवरी 2021 के आदेश की अवहेलना की। अदालत ने उक्त टिप्पणी याचिकाकर्ता पति द्वारा दायर अवमानना याचिका को स्वीकार करते हुए दिया।

यह है मामला

याचिका के अनुसार याचिकाकर्ता व महिला की शादी जून 2023 में हुई और उन्हें तीन बच्चे हुए। महिला ने याचिकाकर्ता पर पर्याप्त दहेज नहीं लाने पर मानसिक व शारीरिक क्रूरता का आरोप लगाया था।

ग्यारहवीं की छात्राओं ने बारहवीं की छात्राओं को दी विदाई

परिवहन विशेष न्यूज

दिनाँक 17 फरवरी 2024 को राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बहू में छात्राओं द्वारा विदाई पार्टी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्यारहवीं की छात्राओं ने बारहवीं की छात्राओं का तिलक लगाकर अभिनन्दन किया। तदुपरान्त उनके सम्मान में गीत एवं संस्मरण साझे किये। ग्यारहवीं की छात्रा स्नेहा एवं प्रियांशी ने मंच संचालन किया।

इसके बाद बारहवीं की छात्राओं ने मंच सम्भाला जिसमें मित्तल, मुस्कान, शगुन और सलोनी ने भागीदारी निभाई। उनका मंच संचालन बेहद रोमांचक पूर्ण रहा।

समारोह के दौरान अध्यापकों की भूमिका भी दिलचस्प रही। रेखा प्रवक्ता, मदनलाल व सुधीर आदि अध्यापकों ने अपनी प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान भूपसिंह अन्तस-प्रवक्ता हिंदी, सतपाल सिंह प्रवक्ता अंग्रेजी, रिंकी मैडम, पूनम, गुलाबो देवी, सुरेंद्र सिंह, बलराज, प्रदीप, विजयपाल आदि भी उपस्थित रहे। सभी अध्यापकों ने बच्चों को आशीर्वाद दिया व उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

ढेंकनाल रेलवे स्टेशन पर दो टीटीई से मारपीट, सीसीटीवी फुटेज की जांच की मांग

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड ओड़िशा

भुबनेश्वर : ढेंकनाल रेल स्टेशन मे एक्सप्रेस ट्रेन का टिकट खरीदकर सुपरफास्ट ट्रेन से आए चार युवकों पर टीटीआई ने जुर्माना लगाने और उनके टिकटों की जांच करने की मांग करते हुए हमला हुआ । जानकारी के अनुसार पुरी-राउरकेला एक्सप्रेस का टिकट लेकर भुवनेश्वर सुपरफास्ट एक्सप्रेस में आये 4 युवकों को टीटीआई ने निरीक्षण के दौरान पकड़ लिया । टिकट फेंकने वाले युवकों पर नियमानुसार जुर्माना लगाये जाने के कारण उक्त युवकों ने टीटीआई के साथ गाली-गलौज की । TTE ब्रह्मानंद बारिक और श्री समलेश्वर बेहरा को चार युवकों ने थप्पड़ मारकर और लात मारकर हमला कर दिया । लेकिन इन दोनों TTE के नाम पर कई यात्रियों से दुरव्यबहार की शिकायत है । कटक जीआरपी थाने में टीटीआई की लिखित शिकायत के अनुसार, केंद्रपाड़ा के युवक शुदाशीष नाइक और उसके लौट रहे साथी के ढेंकनाल में होने की सूचना है। सामान्य दावा यह है कि अगर रेलवे स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जाए, तो असली सच्चाई सामने आ जाएगी। सामने अयेगा अगर एक साल पहले का सीसीटीवी फुटेज की जांच की जाती है, अन्यथा टीटीआई का उपयोग सार्वजनिक जांच के दायरे में आ सकता है । सामान्य दावा यह है कि रेल मंत्री अश्विनी बैस्नाब को स्वतंत्र जांच करने का आदेश दिया जाना चाहिए।

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के देवलोकगमन पर भाजपा ने अर्पित की भावांजलि

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

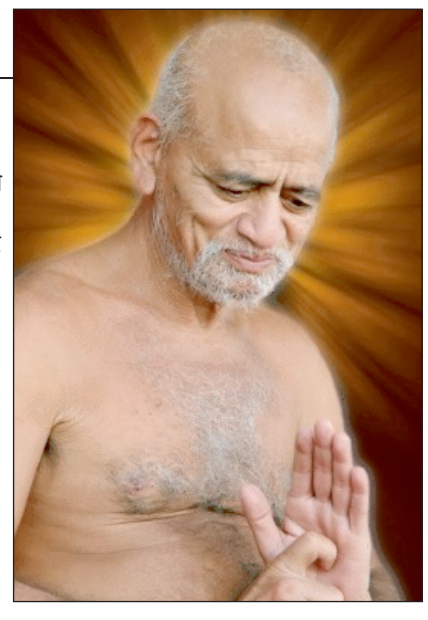

भीलवाड़ा। भारतीय जनता पार्टी जिला संगठन द्वारा जैन संत आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज के देवलोकगमन पर भावांजलि अर्पित की है। जिला प्रवक्ता अंकुर बोरदिया ने बताया कि सांसद सुभाष बहेड़िया, जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा, जिला प्रमुख बरजीदेवी भील, उपजिला प्रमुख शंकर गुर्जर, विधायक उदयलाल भडाना, लादूलाल पीतलिया, लालाराम बैरवा, गोपीचंद मीणा, गोपाल खंडेलवाल, जब्बरसिंह सांखला, पूर्व विधायक विट्ठलशंकर अवस्थी सहित समस्त जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि मानवता, करुणा एवं त्याग की प्रतिमूर्ति परमपूज्य संत शिरोमणि 108 आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का समाधिस्थ होना अपूरणीय क्षति है। पूज्य आचार्य प्रवर ने धर्म के मार्ग पर चलते हुए संपूर्ण मानव जाति को एक दिशा प्रदान की है। उनके विचार प्रकाश स्तंभ बनकर सदैव हमारा मार्गदर्शन करते रहेंगे।

ग्रह जो शरीर के अंगों को प्रभावित करते हैं

सूर्य-: हड्डियाँ, जोड़, त्वचा, सिर, हृदय, दाहिनी आँख, प्लीहा और पेट।

चंद्रमा-: हृदय, मन, मस्तिष्क, ग्रासनली, आहार नाल, फेफड़े, बायीं आंख, स्तन, रक्त और शरीर के अन्य तरल पदार्थ।

मंगल-: अस्थि मज्जा, रक्त में लाल रक्त कणिकाएं, गर्दन में नसें, जननांग और बायां मस्तिष्क गोलार्ध।

बुध-: जीभ, चेहरा, कान, नाक, नाभि, मुंह, बाल, ब्रोन्कियल ट्यूब, तंत्रिका तंत्र, फेफड़े और छाती, दायां मस्तिष्क गोलार्ध।

बृहस्पति-: सुपर प्राकृतिक, जांघें, फेफड़े, प्लीहा, यकृत, मस्तिष्क, यकृत, गुर्दे और वसा।

शुक्र-: चेहरा, आंखें, गला, जननांग, गुर्दे, गर्भाशय, अंडाशय, ग्रंथियां और प्रजनन अंग।

शनि-: दांत, जोड़, हाथ, पैर, वेगस तंत्रिका, हड्डियां और बाल।

राहु-: गर्दन, पैर, पिट्यूटरी ग्रंथि और श्वसन प्रणाली।

केतु-: फेफड़े, जोड़, पीनियल ग्रंथि और पेट।

भाव जो शरीर के अंगों को नियंत्रित करते हैं-:

जब भी कोई ग्रह पाप प्रभाव के साथ शत्रु व नीच राशि में गोचर में किसी भाव में आता है तो उससे संबंधित परेशानी पैदा करता है।

प्रथम भाव-: स्वयं और दीर्घायु, संपूर्ण स्वास्थ्य, रूप और रंग, जीवन शक्ति, सिर, मस्तिष्क, चेहरा और जातक की खोपड़ी, मस्तिष्क, आंखें, चेहरा, ऊपरी जबड़ा, शरीर का उदर भाग, कैरोटिड धमनियां।

दूसरा घर-: दाहिनी आंख, गला, गर्दन, मुंह, दांत, मसूड़े, स्वरयंत्र और ग्रासनली, गर्दन, कान, निचले जबड़े, गला, थायरॉयड ग्रंथि, सेरिबैलम।

तीसरा घर-: कान, कंधे, भुजाएं और हाथ, दाहिना कान और नसें। श्वसन पथ के घटक जिनमें श्वासनली, ब्रांकाई, उंगलियां और सहानुभूति तंत्रिका तंत्र शामिल हैं।

चतुर्थ भाव-: स्तन, छाती, फेफड़े, पेट, कोहनी का जोड़ आदि डायाफ्राम, अन्नप्रणाली, पेट, स्वाद और शरीर का बायां भाग।

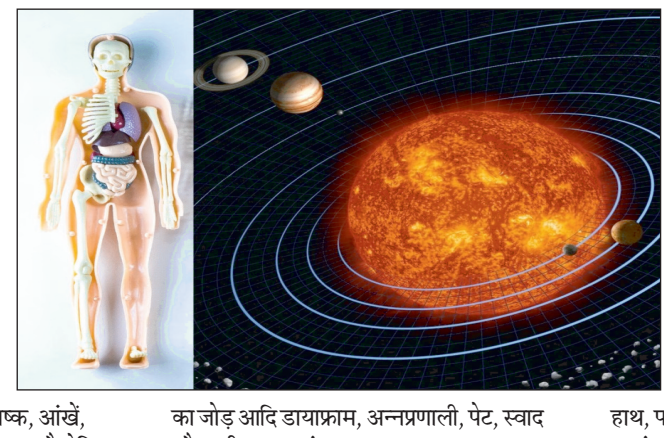

पाँचवाँ घर-: पेट, हृदय। शरीर की जीवन शक्ति, रीढ़, हृदय, यकृत, प्लीहा, वेना कावा, रीढ़ की हड्डी, पीठ, थाइमस ग्रंथि।

छठा घर-: पाचन तंत्र, किडनी, बड़ी आंत, बृहदान्त्र, गर्भाशय और गुदा आदि। आंतें, पीयर्स पैच, ग्रहणी, पेट, सौर जाल, पैरासिम्पेथेटिक तंत्रिका तंत्र।

सातवां घर-: गुप्तांग, ग्रंथियां, नितंब, निचली पीठ, वृक्क प्रणाली, अधिवृक्क, निचली रीढ़, गर्भाशय, प्रजनन के अंग।

आठवां घर-: अंडकोश, श्रोणि, वीर्य पुटिका, यौन अंग, यौन रोग, अंडाशय, प्रोस्टेट ग्रंथि, मलाशय, प्रजनन के अंग, गुर्दे।

नौवां घर-: कूल्हे, जांघें, घुटने, जोड़, हड्डियां, बाल और पीठ, धमनी प्रणाली, तंत्रिकाएं।

दसवाँ घर-: घुटने, जोड़, हड्डियाँ, घुटने, हैमस्ट्रिंग, जोड़, हड्डियाँ

11वां घर-: पिंडलियां, बायां कान, बायां हाथ, परिसंचरण, पैर, दांत, टखने, परिसंचरण तंत्र, बायां कान।

12वां घर-: बाईं आंख, लसीका प्रणाली, पैर, दांत, पैर, पैर की उंगलियां, लसीका प्रणाली, अस्पताल में भर्ती इत्यादि।।

इस तरह से ग्रह कुंडली के अलग- अलग भाव में अलग-अलग प्रभाव देते हैं। यदि ग्रह किसी पाप प्रभाव में और शत्रु व नीच राशि में गोचर करते हैं तो उससे संबंधित रोग को उत्पन्न करते हैं। अतः ग्रहों के गोचर का ध्यान रखना चाहिए और संबंधित उपाय योग-प्राणायाम और खान-पान में सुधार कुछ सामान्य आयुर्वेदिक उपाय के जरिए आने वाली समस्याओं से बचाव हो सकता है।।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023